NACO

समाचार

National AIDS Control Organisation
India's Voice against AIDS
Ministry of Health & Family Welfare, Government of India
www.naco.gov.in

खंड X अंक 9

जुलाई–सितंबर 2016

Beti Bachao Beti Padhao

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर
Swachh Bharat Abhiyan

Chalo Banaayein Swasth Bharat

AIDS Helpline 1097
जानें समझें, जुग-जुग जीयें!

अनुक्रमणिका

01 मुख्य लेख

एन.ए.सी.पी. .IV का मध्यावधि मूल्याकन 4-6

02 कार्यक्रम

"हैपेटाइटिस को जानिये – तुरंत कार्यवाही कीजिये" विश्व हैपेटाइटिस दिवस 7

ट्रांसजेंडर और हिजड़ा समुदायों के संबंध में राष्ट्रीय कार्यक्रम – हिजड़ा हब्बा 8

सामाजिक व्यवहार परिवर्तन संचार के संबंध में राष्ट्र स्तरीय कार्यशाला 9-10

कंडोम को प्रोत्साहन देने के लिए बाहय अभियान 11

अनुसंधान नीति समिति की बैठक 12-13

भारत में मैथाडन संधारण उपचार का लोकार्पण 14

राष्ट्रीय तकनीकी कार्यसमूह की बैठक 15

संशोधित एच.आई.वी. परामर्श एवं परीक्षण सेवा (एच.सी.टी.एस.) दिशानिर्देशों के सबंध में क्षेत्रीय प्रशिक्षक प्रशिक्षण (टी.ओ.टी.) 16-17

एच.आई.वी. निगरानी एवं परिमापन के संबंध में विशेषज्ञ समूह परामर्श 18

03 राज्यों

ट्रांसजेंडर के साथ राज्य स्तरीय परामर्श 19-20

एन.वाई.के.एस. के सहयोग से स्कूल से बाहर युवा हस्तक्षेप 21

04 गतिविधियाँ

विश्व हैपेटाइटिस दिवस मनाया गया 22

05 नाको का आई.टी प्रणाली

नाको का आई.टी प्रणाली 23

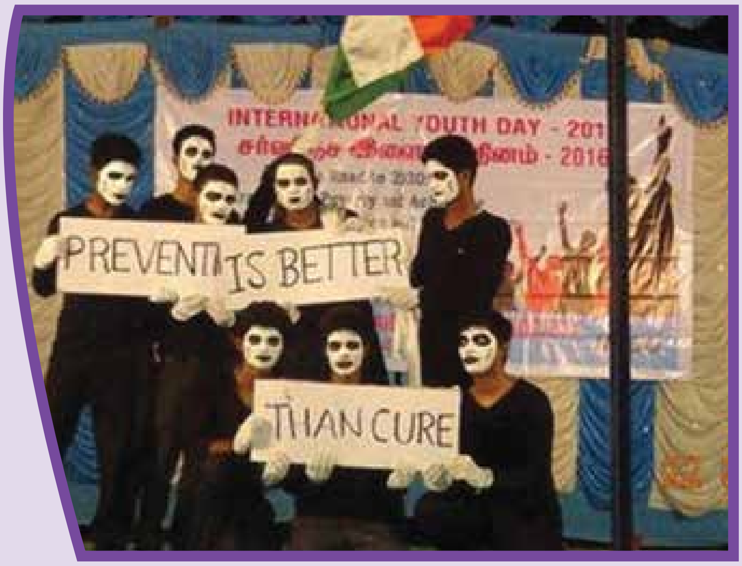

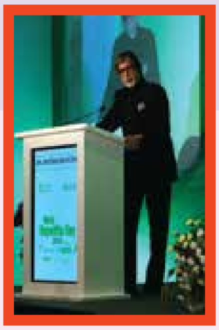

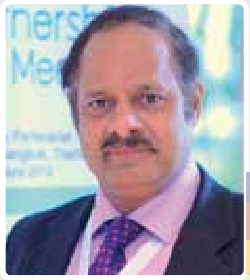

संयुक्त सचिव की कलम से

प्रिय पाठक,

नाको समाचार के हमारे जुलाई अंक में आपका स्वागत है। सर्वप्रथम, मैं सभी सहयोगियों के प्रयासों के लिए उनका आभार वयक्त करना चाहूँगा। मैं इस अवसर पर उन गतिविधियों के बारे में भी बताना चाहूँगा जिनका जुलाई से सितंबर 2016 की अवधि के दौरान नैको ने सफलतापूर्वक आयोजन किया है।

इस संस्करण में, मुख्य लेख एन.ए.सी.पी.-IV के मध्यावधि मूल्यांकन और 04 अगस्त को नई दिल्ली में एन.ए.सी.पी.-IV के मध्यावधि मूल्यांकन की रिपोर्ट के विमोचन हेतु प्रसार कार्यशाला के बारे में है। मैं मध्यावधि मूल्यांकन की निम्नलिखित प्रमुख सिफारिशों का विशेष उल्लेख करना चाहूँगा:

1 मुख्य और सेतु आबादियों की परिवर्तनशील गतिशीलता हेतु समयोचित बने रहने के लिए टी.आई कार्यनीतियों को अनुकूल बनाना।

2 दूसरे घटकों के साथ सशक्त संबधनों के माध्यम से संसूचन की प्राप्ति में सुधार लाने का लक्ष्य रखना, अपेक्षाकृत नई कार्यनीतियां आरंभ करना, जैसे समुदाय आधारित जांच, जनसंख्या और भू–प्राथमिकता कार्यनीतियां।

3 सर्वोच्च केन्द्रों की सहभागिता, परामर्शदाताओं के युक्तिसंगत उपयोग, अनिवार्य वस्तुओं की समय पर और पर्याप्त सप्लाई सुनिश्चित करने, आदि के माध्यम से एस.टी.आई. परियोजना प्रबंधन का सुदृढ़ीकरण और प्रयासों को सिफलिस के अभिभावक से बच्चे को संचारण का उन्मूलन करने पर लक्षित करना।

4 पर्याप्त संसाधनों के प्रावधान के माध्यम से सभी राज्यों में एन.बी.टी.सी. और एस.बी.टी.सी. की कार्यप्रणाली का सुदृढ़ीकरण।

5 CD4 500 हेतु उपचार प्रारंभ के पात्रता मापदण्ड में संशोधन करने पर विचार करना और अतिरिक्त कार्यभार को संभालने हेतु प्रणाली के सुदृढ़ीकरण पर समुचित विचार करने के साथ, मुख्य आबादी एवं सीरो–प्रतिकूल दम्पत्तियों के लिए 'जांच एवं उपचार' आरंभ करना।

6 रोकथाम–देखभाल सांतत्यक पर कारगर व्यक्ति–स्तर केस ट्रेकिंग के लिए सभी परियोजना घटकों के बीच संबंधन सुनिश्चित करने हेतु परियोजना प्रबंधन के एक कारगर एकीकृत टूल के रूप में एस.आई.एम.एस. का सुदृढ़ीकरण करना।

7 इंटरेक्टिव फॉर्मेटों को अपनाकर, प्रवासी एवं एम.एस.एम. जैसे निर्दिष्ट श्रोता खंडों के लिए चैनलों का चयन आई.ई.सी. सामग्री का उन्नयन करके और उन्हें परिवर्तनशील परिप्रेक्ष्य एवं अपेक्षाकृत नए परियोजना दिशानिर्देशों के लिए प्रासंगिक बनाकर आई.ई.सी. कार्यनीतियों को पुनर्जीवित करना।

8 परियोजना को फिर से बल प्रदान करने के लिए सांस्थानिक सुदृढ़ीकरण पर फोकस करना – रिक्तियों को भरना, क्षमता निर्माण और पर्यवेक्षण का सुदृढ़कीरण।

9 वित्तीय संसाधनों के कारगर अंतरण एवं उपयोग हेतु एस.ए.सी.एस. और बाह्य इकाइयों में वित्त प्रबंधन को सरल एवं कारगर बनाना।

10 एन.ए.सी.पी. के अंतर्गत क्रय एवं आपूर्ति श्रृंखला के कार्यों का व्यापक रूप से उत्थान करना।

"कार्यक्रम" भाग में, राष्ट्रीय स्तर की समस्त गतिविधियों – सामाजिक व्यवहार परिवर्तन संचार (एस.बी.सी.सी) कार्यशाला और विश्व हैपेटाइटिस दिवस का मुंबई में सफलतापूर्वक आयोजन किया जहाँ सम्मानित अतिथि के रूप में माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल जी उपस्थित थीं।

मैं इस ओर भी ध्यान आकृष्ट करना चाहूँगा कि डिजिटल इंडिया के युग में, नाको भी सूचना प्रोद्योगिकी संबंधी पहलों की दिशा में अग्रसर है, जैसे ई–ऑफिस के माध्यम से फाइलों और संचार को प्रस्तुत करने का आदेश और नाको की वेबसाइट का पुनर्निर्माण। इस दौरान एक सर्वाधिक विलक्षण कार्यक्रम चौथे हिजड़ा हब्बा कार्यक्रम का भी सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। प्रस्तावों के अनुसरण में, राज्य स्तर पर आयोजित योजनाओं एवं कार्यक्रमों को "राज्यों से" भाग के अंतर्गत शामिल किया गया है।

इस अंक के माध्यम से, हमने उन अधिकांश प्रमुख गतिविधियों का सारांशीकरण करने का प्रयास किया है जिनका नाको ने पूरा किया है और हमारे लक्ष्यों के लिए अपनी गति को अनवरत बनाए रखने का आश्वासन दिया है।

हमें आपके बहुमूल्य सुझाव और प्रतिक्रिया प्राप्त होने की प्रतीक्षा रहेगी।

DRao

डॉ. सी.वी. धर्मा राव
संयुक्त सचिव,नाको
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार

मुख्य लेख

एन.ए.सी.पी.-IV का मध्यावधि मूल्याँकन

रोकथाम पर केन्द्रित नीतियों साक्ष्य–प्रेरित कार्यनीतियों, समुदाय–केन्द्रित विधियों, मापन रूपरेखाओं, गतिशील बहुल–हितधारक प्रत्युत्तर, अभिनवता हेतु खुलापन और देशव्यापी प्रबंधन के फलस्वरूप एच.आई.वी. प्रत्युत्तर के संबंध में भारत की यात्रा सफल हुई है और शेष विश्व के लिए एक आदर्श स्थापित हुआ है।

इस समय राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण परियोजना (एन.ए.सी.पी.) अपने चौथे चरण में है। 2013 में एन.ए.सी.पी. IV अनुमोदित किया गया था और उसके पश्चात, 2014 से संशोधित वित्तपोषण पैटर्नों और क्रियान्वयन तंत्रों के साथ, एन.ए.सी.पी. IV में परावर्तन का गतिवर्धन एवं एकीकृत प्रत्युत्तर करने के लक्ष्य के साथ आगे उन्नति करते हुए एन.ए.सी.पी. III तक अर्जित लाभों को ठोस बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

एन.ए.सी.पी.IV मध्य–बिंदु पर पहुंच गया है और नए वैश्विक लक्ष्यों एवं नई अंतर्राष्ट्रीय सिफारिशों के परिप्रेक्ष्य, अपूर्ण कार्यसूची का निवारण करने, चिरकारी व्यवस्थित मुद्दों, रोकथाम एवं उपचार की विभिन्न जरूरतों, और कामकाज की व्यापकता एवं गुणवत्ता को प्रभावित करने वाली वित्तीय तंगियों एवं निधि प्रवाह के मसलों के साथ परियोजना का मध्यावधि मूल्यांकन करने की आवश्यकता महसूस की गई। एन.ए.सी.पी.IV का मध्यावधि मूल्यांकन इस परियोजना में अभी तक प्रगतियों की समीक्षा, उपलब्धियों को दस्तावेजबद्ध और अवसरों, संवेदनशील कमियों का दूर करने एवं चुनौतियों की पहचान करने तथा पथ पर शुद्धियों की सिफारिश करने और अगले चरण की योजना बनाने हेतु किया गया था।

मध्यावधि मूल्यांकन एक विशाल, सघन और अनूठी कवायद थी जिसमें नाको के भागीदारों (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय/द्विपक्षीय/बहुपक्षीय), तकनीकी विशेषज्ञों, समुदाय और नागरिक समाज संगठन के प्रतिनिधियों ने सक्रियताप. ूर्वक भाग लिया और सहक्रियता के परिपूर्ण उदाहरण का प्रदर्शन किया। इसने सभी हितधारकों और समुदाय की आवाजों को एक मंच प्रदान किया है और सुनिश्चित किया है कि सभी परिप्रेक्ष्यों पर समुचित विचार किया जाएगा।

नाको ने एन.ए.सी.पी. IV के मध्यावधि मूल्यांकन के आधार पर एच.आई.वी./एड्स के प्रति राष्ट्रीय प्रत्युत्तर को ठोस बनाने और नई चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए नाको का पुनर्स्थापन करने हेतु एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है।

एन.ए.सी.पी. IV योजना की झलक

लक्ष्यः परावर्तन का गतिवर्धन और प्रत्युत्तर का एकीकरण

उद्देश्यः	मुख्य कार्यनीतियांः
नए संक्रमणों को 50% कम करना (एन.ए.सी.पी. III की 2007 बेसलाइन)।	उच्च जोखिम समूहों और सुग्राही आबादी पर फोकस के साथ, रोकथान की सेवाओं को सघन और ठोस बनाना।
एच.आई.वी./एड्स के साथ जी रहे सभी लोगों के लिए व्यापक देखभाल एवं सहायता और उन सबको उपचार उपलब्ध कराना जो इसकी आवश्यकता रखते हैं।	कार्यक्रम की पहुँच को बढ़ाना और व्यापक देखभाल, सहायता एवं उपचार को प्रोत्साहन देना।

मध्यावधि मूल्यांकन की यात्रा

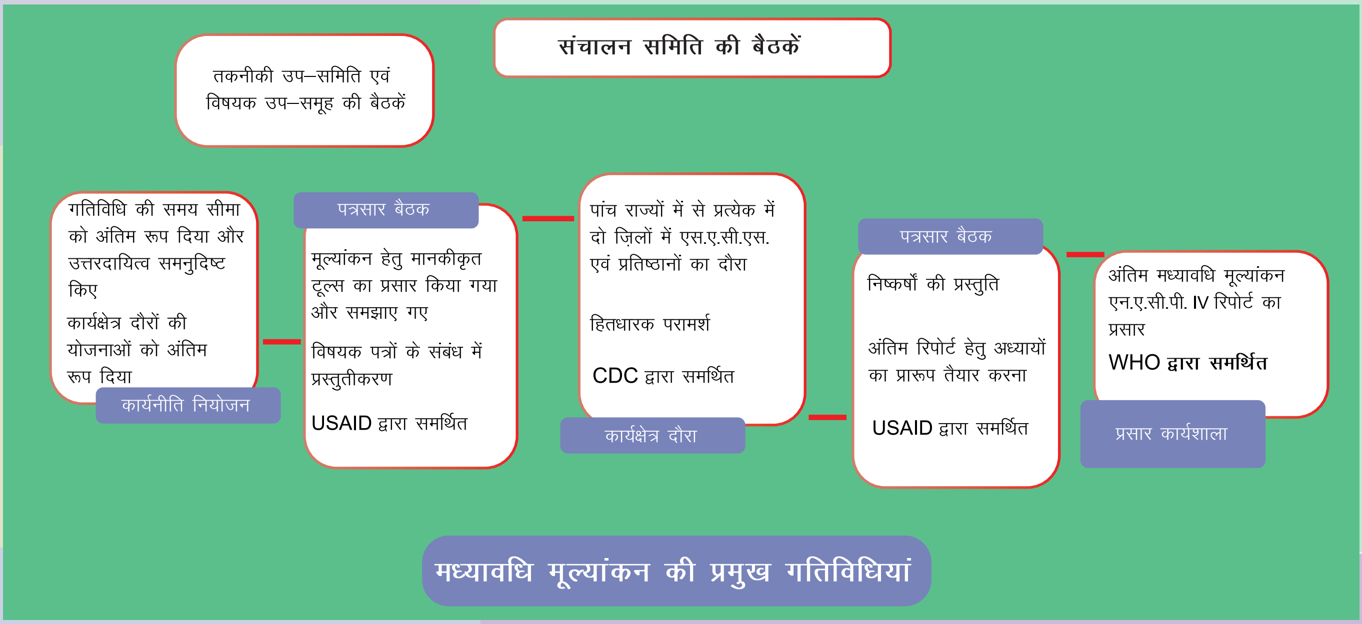

मध्यावधि मूल्यांकन रिपोर्ट का विमोचन

एन.ए.सी.पी. IV की मध्यावधि मूल्यांकन रिपोर्ट का विमोचन करने हेतु, 4 अगस्त 2016 को नई दिल्ली में नाको ने एक कार्यशाला का आयोजन किया। सभी राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों के परियोजना निदेशकों, भागीदार संगठनों के प्रतिनिधियों, तकनीकी विशेषज्ञों, समुदाय के प्रतिनिधियों, नागरिक समाज संगठनों को इस कार्यशाला में आमंत्रित किया गया था। डॉ अजय चौहान, निदेशक (वित्त), नाको ने मध्यावधि मूल्यांकन की यात्रा की एक झलक प्रस्तुत की।

मध्यावधि मूल्यांकन संबंधी प्रसार कार्यशाला में एन.ए.सी.पी. चरण IV के मध्यावधि मूल्यांकन का विमोचन

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, डॉ. सी.वी. धर्मा राव, संयुक्त निदेशक, नाको ने मध्यावधि मूल्यांकन की निम्नलिखित मुख्य सिफारिशों का विशेष रूप से उल्लेख और प्रस्तुत किया।

01 मुख्य और सेतु आबादियों की परिवर्तनशील गतिशीलता हेतु समयोचित बने रहने के लिए टी.आई कार्यनीतियों को अनुकूल बनाना।

02 दूसरे घटकों के साथ सशक्त संबधनों के माध्यम से संसूचन की प्राप्ति में सुधार लाने का लक्ष्य रखना, अपेक्षाकृत नई कार्यनीतियां आरंभ करना, जैसे समुदाय आधारित जांच, जनसंख्या और भू–प्राथमिकता कार्यनीतियां।

03 सर्वोच्च केन्द्रों की सहभागिता, परामर्शदाताओं के युक्तिसंगत उपयोग, अनिवार्य वस्तुओं की समय पर और पर्याप्त सप्लाई सुनिश्चित करने आदि के माध्यम से एस.टी.आई. परियोजना प्रबंधन का सुदृढ़ीकरण और प्रयासों को सिफलिस के अभिभावक से बच्चे को संचारण का उन्मूलन करने पर लक्षित करना।

04 पर्याप्त संसाधनों के प्रावधान के माध्यम से सभी राज्यों में एन.बी.टी.सी. और एस.बी.टी.सी. की कार्यप्रणाली का सुदृढ़ीकरण।

05 CD4 500 हेतु उपचार प्रारंभ के पात्रता मापदण्ड में संशोधन करने पर विचार करना और अतिरिक्त कार्यभार को संभालने हेतु प्रणाली के सुदृढ़ीकरण पर समुचित विचार करने के साथ, मुख्य आबादी एवं सीरो–प्रतिकूल दम्पत्तियों के लिए 'जांच एवं उपचार' आरंभ करना।

06 रोकथाम–देखभाल सांतत्यक पर कारगर व्यक्ति–स्तर केस ट्रेकिंग के लिए सभी परियोजना घटकों के बीच संबंधन सुनिश्चित करने हेतु परियोजना प्रबंधन के एक कारगर एकीकृत टूल के रूप में एस.आई.एम.एस. का सुदृढ़ीकरण करना।

07 इंटरेक्टिव प्रारूपों को अपनाकर, प्रवासी एवं एम.एस.एम. जैसे निर्दिष्ट श्रोता खंडों के लिए चैनलों का चयन आई.ई.सी. सामग्री का उन्नयन करके और उन्हें परिवर्तनशील परिप्रेक्ष्य एवं अपेक्षाकृत नए परियोजना दिशानिर्देशों के लिए प्रासंगिक बनाकर आई.ई.सी. कार्यनीतियों को पुनर्जीवित करना।

08 परियोजना को फिर से बल प्रदान करने के लिए सांस्थानिक सुदृढ़ीकरण पर फोकस करना – रिक्तियों को भरना, क्षमता निर्माण और पर्यवेक्षण का सुदृढ़कीरण।

09 वित्तीय संसाधनों के कारगर अंतरण एवं उपयोग हेतु एस.ए.सी.एस. और बाह्य इकाइयों में वित्त प्रबंधन को सरल एवं कारगर बनाना।

10 एन.ए.सी.पी. के अंतर्गत क्रय एवं आपूर्ति श्रृंखला के कार्यों का व्यापक रूप से उत्थान करना।

मध्यावधि मूल्याकंन संबंधी प्रसार कार्यशाला के दौरान एक सामूहिक फोटोग्राफ

सम्मानित अतिथि, डॉ. हेंक बेकेदम, डब्ल्यू.एच.ओ. कंट्री रिप्रेजेंटेटिव, श्री जॉन डी. ब्लोक्विस्ट, प्रोग्राम लीडर फॉर ह्यूमन डेवलेपमेंट एंड लीड ईकोनामिस्ट, वर्ल्ड बैंक, श्री ऊसामा ताविल, कंट्री कूओर्डिनेटर, यू.एन.एड्स, डॉ. डेविड नेल्सन, उपनिदेशक, वैश्विक एच.आई.वी. एवं टी.बी. (डी.जी.एच.टी.) डिवीजन और उपनिदेशक, सी.डी.सी. भारत, भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। श्री एन.एस. कांग, सचिव एवं महानिदेशक, नाको ने भागीदारों के समर्थन और तकनीकी विशेषज्ञों की प्रणबद्धता, तथा समुदायों, नागरिक समाज संगठनों और राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों (एस.ए.सी.एस.) के प्रतिनिधियों का आभार वयक्त किया।

श्री कांग ने उल्लेख किया कि मध्यावधि मूल्यांकन ने उन मुद्दों और चुनौतियों को उजागर किया है जो परियोजना के प्रत्येक घटक के सामने मौजूद हैं या आगामी समय में सामने आने वाली हैं। उन्होंने दोहराया कि इस मध्यावधि रिपोर्ट से – जो इस अत्यधिक समयोचित अवसर पर आई है, पथ पर आवश्यक शुद्धियां करने, एन.ए.सी.पी. के अगले चरण हेतु कार्यनीतियां बनाने के लिए मार्गदर्शन एवं सहायता मिलने की आशा की जा रही है।

श्री जिमरीव्स के. और श्री उत्पल दास, नाको

"हैपेटाइटिस को जानिये – तुरंत कार्यवाही कीजिये": विश्व हैपेटाइटिस दिवस

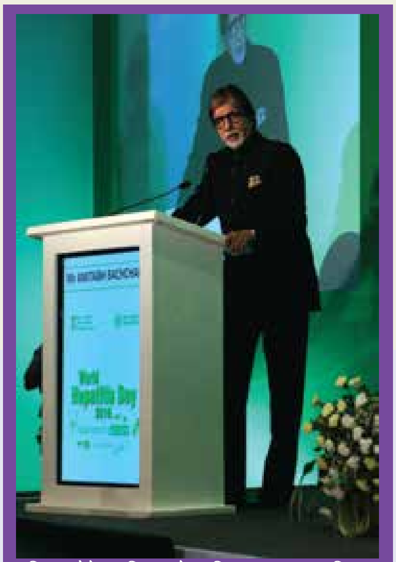

विश्व हैपेटाइटिस शोध दिवस पर सम्मानित अतिथि द्वारा आधार व्याख्यान

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) के सहयोग से, 28 जुलाई 2016 को मुंबई में विश्व हैपेटाइटिस दिवस के उपलक्ष्य में एक राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया। इस वर्ष के विश्व हैपेटाइटिस दिवस का विषय "हैपेटाइटिस जोनिये–तुरंत कार्यवाही कीजिये" था। कार्यक्रम के सम्मानित अतिथि माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री, श्रीमती अनुप्रिया पटेल और अभिनेता श्री अमिताथ बच्चन थे। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनेक वरिष्ठ अधिकारियों ने इस कार्यक्रम को सुशोभित किया।

माननीय राज्य मंत्री जी ने अपने व्याख्यान में उल्लेख किया कि भारत पर विषाणुजनित हैपेटाइटिस का बोझ मौजूद है और दक्षिण/दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्रों में हैपेटाइटिस बी के लगभग 40% वाहक और हैपेटाइटिस सी के लगभग 20% वाहक है। भारत सरकार हैपेटाइटिस की रोकथाम करने का महत्त्व जानती है और उसे विदित है कि भारत के लिए हैपेटाइटिस एक स्थानिक रोग है। अतः इस मंत्रालय की प्रमुख परियोजना – "इंद्र धनुष" के माध्यम से सरकार की 2020 तक दो वर्ष की आयु तक सभी बच्चों का हैपेटाइटिस बी सहित सात रोगों के लिए टीकाकरण करने की योजना है। श्रीमती अनुप्रिया पटेल जी ने उल्लेख किया कि कार्य युद्ध स्तर पर आरंभ किया जा चुका है और पहले चरण में 76 लाख बच्चों को प्रतिरक्षित किया गया है। माननीय मंत्री जी ने यह भी सूचित किया कि हैपेटाइटिस को नई स्वास्थ्य बीमा योजना में शामिल किए जाने का प्रस्ताव है।

बॉलीवुड के सुपरस्टार श्री अमिताभ बच्चन ने, जो हैपेटाइटिस के बारे में जागरुकता पैदा करने के लिए ब्राण्ड एम्बेसडर हैं, प्राणघातक रोगों की रोकथाम में अपेक्षाकृत उच्च बजट का पूँजीनिवेश किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 'आंगनवाड़ियों', सरकार द्वारा संचालित महिला एवं बाल केन्द्रों तक जागरुकता का प्रसार किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ऐसी अनेक परियोजना मौजूद हैं जिनका संचालन सरकार करती है। हमें हैपेटाइटिस के लिए बजट की एक निर्दिष्ट राशि रखने की आवश्यकता है ताकि हम सब इसके उन्मूलन की दिशा में कार्य कर सकें। हैपेटाइटिस रोगों से पीड़ित लोगों को मायूस नहीं होने की सलाह देते हुए, 73 वर्ष के अभिनेता ने कहा, "अगर आज मैं यहां खड़ा हूँ तो आप एक ऐसे व्यक्ति को देख रहे हैं जो 25 प्रतिशत हैपेटाइटिस के साथ जीवित है। लेकिन अच्छी बात यह है कि आप 12 प्रतिशत हैपेटाइटिस के साथ भी जीवित रह सकते हैं। इसलिए हर कोई दवाएं लेकर और नियमित रूप से जांच करवा कर जीवित रह सकता है।"

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, पूरे विश्व में 40 करोड़ लोग हैपेटाइटिस बी एवं सी से पीड़ित हैं। यह संख्या एच.आई.वी. के साथ जीवन बिता रहे लोगों की संख्या से दस गुना है।

विश्व हैपेटाइटिस दिवस के दौरान ब्लड बैंक संबंधी रिपोर्ट का विमोचन करते हुए उच्चपदाधिकारी

सुश्री रिचा पाठक, नाको

ट्रांसजेंडर और हिजड़ा समुदायों के संबंध में राष्ट्रीय कार्यक्रम – हिजड़ा हब्बा

इंडिया एचआईवी/एड्स एलायंस के वजूद प्रोग्राम द्वारा आयोजित चौथा हिजड़ा हब्बा

2 सितंबर 2016 को नई दिल्ली में, इंडिया एचआईवी/एड्स एलायंस के वजूद प्रोग्राम ने चौथे राष्ट्रीय हिजड़ा हब्बा का आयोजन किया और इसका वित्तपोषण एम्प्लीफाई चेंज के एक अनुदान द्वारा किया गया था। हिजड़ा हब्बा सरकारी हितधारकों और समुदायिक नेताओं के बीच पहुंच और वार्ता का मंच है। इस वर्ष के कार्यक्रम का विषय "भारत के ट्रांसजेंडर और हिजड़ा समुदायों के लिए समभाव, सशक्तीकरण और पहुँच" था। राष्ट्रीय हिजड़ा हब्बा 2016 का लक्ष्य ट्रांसजेंडर समुदायों के लिए कल्याण हेतु उत्पादक नीतियों के निलंबन की दिशा में राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय मसलों एवं बाधाओं का विशेष रूप से उल्लेख करना था।

भारत में, ट्रांसजेंडर और हिजड़ा समुदाय अपनी जेंडर पहचान और हमारे समाज की विजातीय निर्देशात्मक अपेक्षा के कारण कानूनी पार्श्वीकरण और सामाजिक अपवर्जन अनुभव कर रहे हैं। यद्यपि, 2014 में भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एन.ए.एल.एस.ए. फैसले के बाद "थर्ड जेंडर" के रूप में ट्रांसजेंडर को अभिस्वीकृति दी गई है तथापि इस फैसले के अनुसरण में नीतियों और समाज कल्याण परियोजनाओं को क्रियान्वित करने में विलंब हुआ है। हाल ही में, माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने एक याचिका का प्रत्युत्तर दिया है जिसने "ट्रांसजेंडर" व्यक्तियों की विस्तृत परिभाषा की अभिपुष्टि की है, और हाल ही में भारतीय संसद ने प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के समर्थन के साथ ट्रांसजेंडर व्यक्ति अधिकार विधेयक पारित किया है। 2010 से 2016 तक, एलायंस इंडिया के पहचान प्रोग्राम ने राष्ट्रीय और राज्य स्तरों पर एक वार्षिक पक्षसमर्थन कार्यक्रम का आयोजन किया है जो हिजड़ा हब्बा कहलाता है और इसका उद्देश्य ट्रांसजेंडर एवं हिजड़ा समुदायों को जुटाना और मुख्य हितधारकों एवं नीति निर्माताओं के पास इस समुदायों की प्राथमिकताओं को उठाने के लिए एक स्थान का सृजन करना है।

कार्यक्रम के दौरान बोलते समय, डॉ. सी.वी. धर्मा राव, संयुक्त सचिव, नाको ने इस बात पर बल दिया कि समाज उस सदमे, यातना और पीड़ा को कम ही समझ पाता है जिससे ट्रांसजेंडर समुदाय को गुजरना पड़ता है, न ही वह ट्रांसजेंडर समुदाय की सहज भावनाओं की कदर करता है।

श्री एन.एस. कांग, सचिव और महानिदेशक, नाको ने ट्रांसजेंडर समुदाय की चिंताओं को समझा और सब्र के साथ सुना और उनकें सवालों का जवाब दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि नाको इस समुदाय के करीबी समन्वय के साथ कार्य करेगा।

डॉ. के.पी. सोलंकी, माननीय संसद सदस्य, राज्य सभा ने इस समुदाय द्वारा झेले जाने वाले सामाजिक कलंक और भेदभाव के बारे में अपने विविध अनुभवों को साझा किया।

श्री ऑस्कर फर्नांडीज, माननीय संसद सदस्य, राज्य सभा ने समुदाय के लोगों के लिए अपनी भाषा में राज्य सभा द्वारा पारित ट्रांसजेंडर अधिकार विधेयक के बारे में बताया।

सुश्री सिमरन

सामाजिक व्यवहार परिवर्तन संचार के संबधं में राष्ट्र स्तरीय कार्यशाला

सामाजिक व्यवहार परिवर्तन संचार (एस.बी.सी.सी.) कार्यशाला में प्रतिभागियों को संबोधित करते उच्च पदाधिकारी

13 से 16 सितंबर 2016 को गुरुग्राम में सामाजिक व्यवहार परिवर्तन संचार (एस.बी.सी.सी.) कार्यशाला, एक अनूठी कार्यशाला जो राष्ट्रीय और राज्य आई.ई.सी., युवा एवं मेनस्ट्रीमिंग (एम.एस.) अधिकारियों पर फोकस करती है ताकि उन्हें सिद्धांतों, मॉड्लों, नियोजन एवं मूल्यांकन गतिविधियों के माध्यम से एस.बी.सी.सी. के क्षेत्र में प्रगतियों से अवगत कराया जाए, आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के आयोजन में यूनीसेफ के C4D सेक्शन ने सहयोग दिया। नाको, राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों लगभग 35 प्रतिभागी, योजना डिवीजनों से क्षेत्रीय समन्वयक और प्रतिनिधिगण उपस्थित थे। श्री एन.एस. कांग, सचिव एवं महानिदेशक, नाको ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। उद्घाटन सत्र में, संयुक्त सचिव, नाको, परियोजना निदेशक (पी.डी.), डी.एस.ए.सी.एस., डी.डी.जी. (आई.ई.सी. एंड एल.एस.) और चीफ C4D, यूनीसेफ भी उपस्थित थे।

चार दिन की इस एस.बी.सी.सी. कार्यशाला में सिद्धांतों के क्रमविकास, सामाजिक–पारिस्थिति की तंत्र मॉडल, एस.बी.सी.सी. विधियों, व्यवहार परिवर्तन प्रक्रिया एवं सहायक परिवेश, एच.आई.वी. कार्यक्रम हेतु नियोजन, एस.बी.सी.सी. हस्तक्षेपों, एस.बी.सी.सी. हस्तक्षेपों की निगरानी, एक सकारात्मक विद्याप्राप्ति परिवेजन के सृजन और प्रशिक्षणोपरांत निर्धारण के संबंध में पीपीटी, वीडियो, प्रैक्टीकलों, सामूहिक कार्यकलाप पर आधारित सत्रों को शामिल किया गया था। इसमें मॉक सत्रों का भी आयोजन किया गया था। कार्यशाला समाप्त होने पर, 10 मास्टर ट्रेनर्स (राज्यों से क्षेत्रीय समन्वयक और प्रतिनिधि) की उनके संबंधित क्षेत्रों में सादृश भी स्वरूप की एस.बी.सी.सी. कार्यशाला एवं प्रशिक्षण के लिए पहचान की गई।

सुश्री नेहा पाण्डेय,नाको

माननीय राज्य मंत्री, भारत सरकार द्वारा मेघालय में एड्स नियंत्रण परियोजना की समीक्षा

माननीय राज्य मंत्री जी सेवा केन्द्रों जैसे आई.सी.टी.सी., ए.आर.टी प्लस, सदर अस्पताल, शिलौंग के सुरक्षा क्लीनिक के साथ संवाद कर रही हैं

माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री, श्रीमती अनुप्रिया पटेल जी ने, 27–29 सितंबर 2016 को अपने मेघालय दौरे के दौरान, 29 सितंबर 2016 को शिलांग ,मेघालय में मेघालय राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी (एम.एस.ए.सी.एस.) द्वारा क्रियान्वित की जा रही एड्स नियंत्रण परियोजना की समीक्षा की।

डॉ. आर.एस. गुप्ता, डी.डी.जी. (सी.एस.टी. एंड बी.टी.एस.), नैको द्वारा प्रस्तुतीकरण के साथ समीक्षा बैठक आरंभ हुई थी जिसमें राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर एड्स नियंत्रण परियोजना का सिंहावलोकन करवाया गया। उसके पश्चात, परियोजना निदेशक ने एम.एस.ए.सी.एस. द्वारा क्रियान्वित की जा रही परियोजना के संबंध में व्यापक माननीय राज्य मंत्री जी ने एच.आई.वी. के साथ जीवन बिता रहे लोगों की पिछले वर्ष जानकारी दी।

इस समीक्षा बैठक में परियोजना अधिकारियों, एस.ए.सी.एस. अधिकारियों, क्षेत्रीय समन्वयकों, नॉर्थ ईस्ट टेक्नीकल स्पोर्ट यूनिट (एन.ई.टी.एस.यू.) के डिप्टी टीम लीडर्स और तकनीकी अधिकारियों, एन.ई.आई.जी.आर.आई.एच.एम.एस. से फील्ड स्तर के कर्मचारियों और नाको से अन्य प्रतिनिधियों ने भाग लिया था।

डिप्टी टीम लीडर, एन.ई.टी.एस.यू. द्वारा लक्षित हस्तक्षेप परियोजना के क्रियान्वयन की वस्तुस्थिति के बारे में एक प्रस्तुतीकरण ने पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में लक्षित हस्तक्षेप परियोजना का सुदृढ़ीकरण करने के लिए एन.ई.टी.एस.यू. द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सहायता का विशेष उल्लेख किया।

माननीय राज्य मंत्री जी ने सेवा केन्द्रों जैसे आई.सी.टी.सी., ए.आर.टी. प्लस, सदर अस्पताल, शिलांग के सुरक्षा क्लीनिक का भी दौरा किया। मीडिया के साथ संवाद के दौरान, श्रीमती पटेल ने मेघालय में अपनी उपस्थिति पर खुशी जाहिर की और एड्स नियंत्रण परियोजना को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने में एम.एस.ए.सी.एस. और नाको द्वारा किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। नाको के सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए, उन्होंने बताया कि भारत की एड्स नियंत्रण परियोजना एक महत्त्वांकाक्षी और वैश्विक ख्याति–प्राप्त परियोजना है। एक लोक विधा "पवार" का भी प्रदर्शन किया गया था। लोक कलाकार मावकरवात से "मोयथला" थे जिन्होंने पिछली "पवार स्टार" प्रतियोगिता जीती थी।

माननीय राज्य मंत्री जी ने नाको के नए डिज़ाइन किए गए सूचनापत्र का विमोचन किया और एम.एस.ए.सी.एस. के सर्वश्रेष्ठ कार्यप्रदर्शन करने वाले प्रतिष्ठान/व्यक्तियों को सम्मानित भी किया। माननीय राज्य मंत्री जी ने एच.आई.वी. के साथ जीवन जी रहे लोगों की पिछले वर्ष की प्रतियोगिता के "दिमबर" विजेताओं के साथ भी बातचीत की और एच.आई.वी./एड्स का मुकाबला करने के लिए उनके साहस और अंतर्निहित सामर्थ्य की प्रशंसा की। परियोजना समन्वयक सी.एच.सी., विहान परियोजना ने मेघालय पॉजीटिव नेटवर्क की ओर से भाषण दिया जिसमें उन्होंने उस कलंक और भेदभाव के बारे में बताया जो एच.आई.वी. के साथ जीवन जी रहे लोगों के लिए अभी भी एक समस्या बना हुआ है।

सुश्री नेहा पाण्डेय, नाको
और सुश्री लालननमवै पाछुओ, एम.एस.ए.सी.एस.

दिव्यागंजन सशक्तिकरण विभाग और नाको के बीच संयुक्त कार्यसमूह की पहली बैठक

29 सितंबर 2016 को दिव्यागंजन सशक्तिकरण विभाग और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण सोसायटी (नाको) के बीच संयुक्त कार्यसमूह की पहली राष्ट्र स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता श्री अवनीश के. अवस्थी, संयुक्त सचिव, दिव्यागंजन सशक्तिकरण विभाग और सह–अध्यक्षता डॉ. सी.वी. धर्मा राव, संयुक्त सचिव, नाको ने की।

श्री अवनीश के. अवस्थी, संयुक्त संचिव, दिव्यागंजन सशक्तिकरण विभाग की अध्यक्षता में पहली बैठक

राष्ट्रीय परामर्शदाता (आई.ई.सी. एवं मेनस्ट्रीमिंग), नाको द्वारा एक संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण के साथ बैठक आरंभ हुई। विस्तृत चर्चा के बाद, समझौता ज्ञापन के क्रियान्वयन हेतु एक रूपरेखा पर पहुंचा गया और संयुक्त कार्यसमूह में कुछ उल्लेखनीय निर्णय भी लिए गये जोकि इस प्रकार हैं:

- 1 दिसंबर 2016 को विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में दिव्यागंजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा नाको के सहयोग से पंडित दीन दयाल उपाध्याय इंस्टीट्यूट फॉर फिजीकली हैंडीकैप्ड में एक विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

- कटक और कोलकाता में स्थित 2 राष्ट्रीय संस्थानों में एच.आई.वी. जांच शुरु की जाएगी जिसके लिए कर्मचारियों के प्रशिक्षण आदि सहित संपूर्ण तकनीकी जानकारी और तकनीकी सहायता नाको द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। जांचों के संबंध में सूचना को साझा किया जाएगा और अभिक्रियाशील जांचों के लिए सबसे नजदीकी एकल आधार आई.सी.टी.सी. को रेफर किया जाएगा।

- जागरुकता पैदा करने हेतु आई.ई.सी. सामग्री का एक प्रोटोटाइप, स्पेशल एजुकेशन ऑफ रिहैबीलिटेशन काउंसिल ऑफ इंडिया के पाठ्यक्रम में समावेशन हेतु सेवाएं और प्रशिक्षण कैप्सूल नाको द्वारा उपलब्ध कराए जाएंगे।

- दिव्यागंजन सशक्तिकरण विभाग दिव्यांगता और एच.आई.वी./एड्स के संबंध में कार्यरत सभी हितधारकों को शामिल करते हुए एच.आई.वी. और दिव्यांगता के संबंध में एक राष्ट्र स्तरीय परामर्श का आयोजन करेगा। नाको इस परामर्श के लिए सहायता उपलब्ध कराएगा।

श्री रवि, नाको

कंडोम को प्रोत्साहन देने के लिए बाह्य अभियान

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने कंडोम प्रोत्साहन के लिए सर्वतोमुखी मल्टीमीडिया अभियान का दूसरा चरण क्रियान्वित किया। जुलाई–अगस्त 2016 के माह में विभिन्न माध्यमों जैसे केबल और सैटेलाइट चैनलों, दूरदर्शन, अखिल भारतीय रेडियो, निजी एफ.एम. चैनलों, डिजिटल सिनेमाघरों, आउटडोर, इंटरनेट पोर्टलों और नाको के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों जैसे फेसबुक, ट्विटर (MoHFW), फिलक्स आदि पर भी अभियान का क्रियान्वयन किया गया था।

अभियान के दौरान, पूरे देश में विभिन्न स्थलों पर आउटडोर मीडियम के लिए एक अभिनव विधि पर प्रयोग किया गया था। इसके अंतर्गत, यातायात सिगनलों का आउटडोर बैकलिट बक्सों के साथ तुल्यकालन किया गया था।

गतिविधि स्थल

लेबर चौक, नौएडा, सैक्टर 62 में यातायात सिगनल के पास अभिनवता

– इस क्षेत्र को झण्डों से ढक दिया गया
– मुफ्त कंडोम बांटे गए

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, जी.बी. रोड, पुरानी दिल्ली स्टेशन और खान मार्केट के पास सार्वजनिक जनपयोगी सेवाओं पर सन बोर्ड लगाए गए।

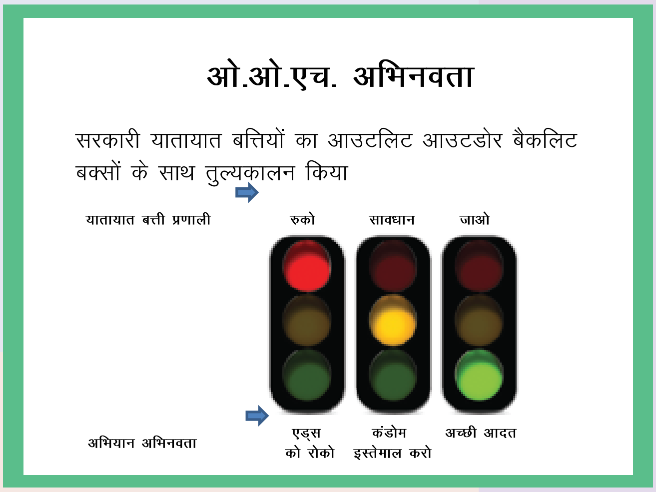

सुश्री नेहा पाण्डेय और निधि रावत, नाको

अनुसंधान नीति समिति की बैठक

23 सितंबर 2016 को नाको, नई दिल्ली में **डॉ. श्रीकांत त्रिपत** और **डॉ. रवि वर्मा,** उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में नाको–अनुसंधान नीति समिति की बारहवीं बैठक का आयोजन किया गया। रोगी उपचार हेतु न्यूट्रास्युटिकल, एस.टी.आई. गोनोकोक्कल एंटीमाइक्रोबायल प्रोग्राम और एच.आई.वी. परामर्श एवं जांच सेवाएं के विषय क्षेत्रों को शामिल करते हुए तीन अनुसंधान प्रोटोकॉलों की समीक्षा और अनुशंसा की गई। समिति ने सुनिश्चित किया कि अनुसंधान अध्ययनों में सुग्राही और सीमान्त समूहों के प्रति संवेदनशीलताओं और नैतिक बाध्याताओं का पर्याप्त रूप से निवारण किया जाए। उपर्युक्त अध्ययन शीघ्र ही आरंभ किए जाएंगे।

सुश्री विनिता वर्मा, पी.ओ. (ई. एंड ओ.आर.)

मिजोरम, पंजाब, चंडीगढ़ और इम्फाल में कारागार एच.आई.वी. हस्तक्षेप का लोकार्पण

जेल में कैदियों के बीच एच.आई.वी. की उच्च व्याप्ति को देखते हुए, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) ने FHI 360 और मिजोरम राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के सहयोग से, 5 अक्टूबर 2016 को मिजोरम में कारागार एच.आई.वी. हस्तक्षेप का लोकार्पण किया।

परियोजना का लोकार्पण करते हुए, मिजोरम के स्वास्थ्य मंत्री श्री लाल थंजारा जी ने उल्लेख किया, "मुझे बहुत खुशी है कि नाको ने कारागार हस्तक्षेप आरंभ कर दिए हैं क्योंकि हम जानते हैं कि यहां के अधिकांश लोग एच.आई.वी. उच्च जोखिम समूह की कोटि में आते हैं।" माननीय मंत्री जी ने 'एच.आई.वी. प्रीवेंशन, केयर एंड ट्रीटमेंट सर्विसिस इन प्रिजन्स ऑफ नॉर्थ ईस्टर्न स्टेट्स ऑफ इंडिया' दिशानिर्देश/मॉड्यूल का भी विमोचन किया जो FHI 360 (द साइन्स ऑफ इम्प्रूविंग लाइव्स) द्वारा हस्तक्षेप के लिए तैयार किया गया है।

श्री लालरिनलियाना फनई, आयुक्त एवं सचिव, मिजोरम राज्य सरकार ने बैठक की अध्यक्षता की। डॉ. सी.वी. धर्मा राव, संयुक्त सचिव, नाको, डॉ. धीरज ढींगड़ा, उप–महानिदेशक (टी.आई.) नाको, डॉ. बित्रा जॉर्ज, कंट्री डायरेक्टर, फैमिली हेल्थ इंटरनेशनल (FHI 360) और डॉ. लालमल स्वामी सैलो ने भी अपने–अपने विचार व्यक्त किए।

हस्तक्षेप परियोजना का लक्ष्य कारागार में कैदियों के लिए एच.आई.वी. की रोकथाम, देखभाल और उपचार सेवाओं की पहुंच एवं गुणवत्ता में सुधार लाना है। यह परियोजना एजवाल सेन्ट्रल जेल और जिला जेलों को शामिल करेगी। कहा जाता है कि एजवाल सेंट्रल जेल के चालीस प्रतिशत निवासी इंजेक्शन द्वारा नशीली दवाओं को इस्तेमाल करने वाले हैं। राज्य आबकारी एवं स्वापक द्रव विभाग द्वारा संग्रहित आंकड़े इंगित करते हैं कि 1991 से हेरोइन की तुलना में प्रिस्क्रिप्शन दवाओं, मुख्यतः स्पाज़्मो–प्रोक्सीवॉन और पारवोन स्पाज, के कारण मिजोरम में ड्रग्स के सेवन संबंधी अधिक मौतें देखी गई हैं। इंजेक्शन द्वारा ड्रग्स के सेवन के इस्तेमाल को अपनाए जाने और सुइयों की सहवर्ती साझेदारी के साथ, एच.आई.वी. ड्रग्स के सेवन करना इस्तेमाल करने वालों के समुदाय में भी फैलना आरंभ हो गया है। मिजोरम में असुरक्षित यौन संबंध के बाद इंजेक्शन द्वारा ड्रग्स के सेवन करना एच.आई.वी. के संचारण का दूसरा सबसे बड़ा कारण है।

कारागार एच.आई.वी. हस्तक्षेप परियोजना, मिजोरम के लोकार्पण के दौरान सामूहिक तस्वीर

श्री एन.एस. कांग, सचिव एवं महानिदेशक, नाको समारोह को संबोधित करते हुए

8 जुलाई 2016 को चंडीगढ़ में श्री एन.एस. कांग, अपर सचिव एवं महानिदेशक* नाको ने पंजाब और चंडीगढ़ की कारागारों के लिए एक अन्य एच.आई.वी. रोकथाम, उपचार एवं देखभाल परियोजना का लोकार्पण किया। इस कार्यक्रम में पंजाब के प्रमुख स्वास्थ्य सचिव, श्रीमती विनी महाजन, और पंजाब के प्रमुख गृह सचिव (कारागार), श्री संजय कुमार उपस्थित थे।

समारोह में बोलते समय, श्री एन.एस. कांग, अपर सिवच और महानिदेशक*,नाको ने उल्लेख किया कि ड्रग्स का सेवन करने वाले अधिकांश लोग तुच्छ अपराधों की वजह से अंततः कारागार में पहुंचते हैं और फिर एच.आई.वी./एड्स सहित विभिन्न स्वास्थ्य तकलीफों के लिए आवश्यक निवारक और उपचार सेवा उपलब्ध कराना कारागार विभागों का उत्तरदायित्व बन जाता है। श्रीमती विनी महाजन, प्रमुख स्वास्थ्य सचिव, पंजाब ने उल्लेख किया कि स्वास्थ्य विभाग पंजाब के जेलों में बंद लोगों के लिए पर्याप्त चिकित्सा देखभाल उपलब्ध कराने हेतु कारागार विभाग की सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री संजय कुमार, प्रमुख गृह सचिव (कारागार), पंजाब ने कारागार निवासियों के बीच एच.आई.वी. की समस्याओं का निवारण करने के लिए इस महत्त्वपूर्ण पहल का लोकार्पण करने के लिए नाको का आभार व्यक्त किया।

लोकार्पण के समय श्री हुसैन लाल, परियोजना निदेशक, पंजाब राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी, श्री विक्टर ईमैनुएल, क्षेत्रीय निदेशक, और डॉ. रेबेक्का, परियोजना निदेशक, ईमैनुलए अस्पताल एसोसिएशन (ई.एच.ए.), श्री एम.के. तिवारी, पुलिस अपर महानिदेशक (कारागार), श्री बी.के. उप्पल, पुलिस अपर महानिदेशक (कल्याण), डॉ. वनिता गुप्ता, चंडीगढ़ एस.ए.सी.एस., नाको के अधिकारीगण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, पंजाब, गृह (पुलिस एवं कारागा.र–अधीक्षक कारागार, नार्कोटिक नियंत्रण ब्यूरो) विभागों के अधिकारीगण और गैर–सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि तथा ईमैनुएल अस्पताल एसोसिशन के सदस्य भी उपस्थित थे।

6 सितंबर 2016 को साजिवा सेन्ट्रल जेल, इम्फाल में आयोजित एक समारोह में, श्री एन.एस. कांग, सचिव एवं अपर महानिदेशक, नाको ने साजिवा सेन्ट्रल जेल (मणिपुर) में एक अन्य एच.आई.वी. रोकथाम, देखभाल और उपचार परियोजना का लोकार्पण किया। इस कार्यक्रम में पुलिस अपर महानिदेशक (कारागार) श्री पी. डोंगेल और परियोजना निदेशक, मणिपुर राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी, श्री हंगयो वोरशैंग उपस्थित थे।

एच.आई.वी. जांच और परामर्श, एच.आई.वी./एस.टी.आई./टी.वी./हैपसी/ओ.एस.टी./नशामुक्ति सहित उपचार के लिए रेफरल और लिंकेज कारागार एच.आई.वी. परियोजना के तीन मुख्य घटक हैं।

श्री एन.एस. कांग, सचिव एवं महानिदेशक, नाको; पुलिस अपर महानिदेशक (कारागार) **श्री पी. डोंगेल;** कंट्री हेड FHI 360 **डॉ. जार्ज बित्रा;** एम.ए.सी.एस. परियोजना निदेशक **श्री हंगयो वोरशैंग;** उप महानिदेशक (टी.आई.) नाको, **डॉ. नीरज ढींगड़ा** और जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ, सी.डी.सी., **डॉ. सम्पत कुमार** ने उद्घाटन समारोह के दौरान संयुक्त रूप से विवरणिका का विमोचन किया। नाको के सचिव और महानिदेशक **श्री एन.एस. कांग** ने साजिवा सेन्ट्रल जेल में एकीकृत आई.सी.टी.सी. प्रतिष्ठान का उद्घाटन भी किया।

पुलिस अपर महानिदेशक (कारागार) श्री पी. डोंगेल ने मणिपुर के कारागारों में एच.आई.वी. हस्तक्षेप आरंभ करने के लिए नाको का धन्यवाद किया। समारोह में भाषण देते हुए, उप महानिदेशक (टी.आई.) नाको, डॉ. नीरज ढींगड़ा ने साजिवा सेन्ट्रल जेल में एच.आई.वी. हस्तक्षेपों की दीर्घकालिकता पर बल दिया और यह सुनिश्चित करने के लिए उद्देश्य से उन्होंने मणिपुर राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी से राज्य कारागार विभाग और FHI360 के समन्वय से एक तंत्र का संस्थापन करने का अनुरोध किया।

सुश्री सोफिया कुमुकचाम, श्री अब्राहम लिंकन,
सुश्री किम होजेल, श्री चिन सामटे, नाको

इस संस्करण में कुछ लेखों में श्री एन.एस. कांग के पदनाम का अपर सचिव एवं महानिदेशक के रूप में उल्लेख किया गया है। श्री कांग को 28 जुलाई 2016 को सचिव एवं महानिदेशक, नाको नियुक्त किया गया था और इसलिए इस तारीख से पहले के लेखों में उनके पदनाम के रूप में अपर सचिव एवं महानिदेशक, नाको का उल्लेख किया गया है।

भारत में मैथाडोन संधारण उपचार का लोकार्पण

7 सितंबर 2016 को श्री एन.एस. कांग, सचिव एवं महानिदेशक, नाको ने रीजनल इंस्टीटियूट ऑफ मेडिकल साइन्सिस (आर.आई.एम.एस) में मैथाडोन के साथ ओपियॉयड सब्सीटियूशन थैरेपी (ओ.एस.टी.) का लोकार्पण किया। उप महानिदेशक (टी.आई.) नाको, डॉ. नीरज ढींगड़ा, निदेशक, आर.आई.एम.एस, प्रोफेसर चोंगथम अरुण कुमार, FHI 360 कंट्री डायरेक्टर, डॉ. बित्रा जार्ज, आर.आई.एम.एस के मनोचिकित्सा विभागाध्यक्ष, डॉ. एन. हीरामणि, आर.आई.एम.एस. के प्रोफेसर आर.के. लेनिन, मणिपुर राज्य एड्स नियंत्रण परियोजना निदेशक श्री हंगयो वोरशैंग; उपनिदेशक, सी.डी.सी./भारत श्री डेविड नेल्सन और डॉ. सम्पत कुमार, जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ, सी.डी.डी./भारत भी जुबली हाल, रीजनल इंस्टीटियूट ऑफ मेडिकल साइन्सिस (आर.आई.एम.एस.) में आयोजित समारोह में उपस्थित थे।

श्री एन.एस. कांग, सचिव एवं महानिदेशक, नाको ने अपने आधार व्याख्यान में इसका विशेष उल्लेख किया कि अपकार न्यूनीकरण परियोजना के अंतर्गत मैथाडोन सेवा के लोकार्पण ने स्वापक द्रवों के इंजेक्शन लेने वाले लोगों के लिए उपचार विकल्पों के एक अन्य लिंक बढ़ा दिया है। उन्होंने बताया कि नाको अभी तक गैर–सरकारी संगठनों और जन स्वास्थ्य प्रतिष्ठानों के माध्यम से ओपियॉयड सब्सीटियूशन (ओ.एस.टी.) के लिए केवल ब्रूप्रेनोरफाइन औषधि को उपलब्ध कराना पसंद करता था। आगे उन्होंने बताया कि पिछले अठारह महीनों में संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों, चिकित्सा संस्थानों, समुदाय के प्रतिनिधियों और विषय ज्ञान विशेषज्ञों सहित मुख्य हितधारकों के साथ राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर के परामर्शों ने देश में मैथाडोन सेवा आरंभ करने के लिए भली–भांति अंशाकित प्रक्रिया विकसित करने में नाको की सहायता की है। उन्होंने सराहना की कि इंजेक्शन द्वारा ड्रग्स लेने वाले लोगों को एच.आई.वी. रोकथाम एवं उपचार सेवाएं उपलब्ध कराने के संबंध में मणिपुर द्वारा प्रदर्शित किए गए मॉडल के आधार पर अनेक सर्वश्रेष्ठ नीतियों को राष्ट्रीय अपकार न्यूनीकरण कार्यनीति में समावेशित किया गया है। उन्होंने आर.आई.एम.एस. और नाको की टीम को उत्कृष्ट सेवा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करने हेतु दवाओं के क्रय, आपूर्ति श्रृंखला तंत्र, भंडारण की सतर्कतापूर्वक जांच करने और कर्मचारियों की क्षमता का निर्माण करने के लिए कहा। उन्हें इस महत्त्वपूर्ण पहल में आर.आई.एम.एस., नोसल इंस्टीटियूट ऑफ ग्लोबल हेल्थ (एन.आई.जी.एच.), यूनीवर्सिटी ऑफ मेलबोर्न, आस्ट्रेलिया, पी.एच.एफ.आई. (पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया), ई.एच.ए. (ईमैनुएल अस्पताल एसोसिएशन), एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) मणिपुर एस.ए.सी.ए. और समुदाय के प्रतिनिधियों के अंशदानों के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

प्रोफेसर आर.के. लेनिन, मैथाडोन परियोजना के लिए आर.आई.एम.एस. के केन्द्रक अधिकारी ने कहा कि इस पहल के अंतर्गत नैदानिक और अनुसंधान, दो अत्यावश्यक घटक हैं। आगे उन्होंने कहा कि आर.आई.एम.एस. में एक ही छत के नीचे ब्रूप्रेनोरफाइन और मैथाडोन, दोनों उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सांस्थानिक तंत्र पहले ही स्थापित किया जा चुका है। डॉ. आर.के. लेनिन ने विशेष उल्लेख किया कि मैथाडोन के क्रियान्वयन में शामिल कर्मचारी सदस्यों को एक गहन आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा चुका है।

सुश्री सोफिया कुमुकचाम, श्री अब्राहम लिंकन,
सुश्री किम होजेल, श्री चिन सामटे, नाको

ड्रग्स के इस्तेमाल और एच.आई.वी. के परिप्रेक्ष्य में कानून प्रवर्तन एजेंसियों, स्वास्थ्य और गैर–सरकारी संगठनों के सहभागिता का संवर्धन करने हेतु संवेदीकरण कार्यशाला

इम्फाल में संवेदीकरण कार्यशाला को संबोधित करते हुए सचिव एवं महानिदेशक, नाको

6 सितंबर 2016 को इम्फाल में श्री एन.एस. कांग, सचिव एवं महानिदेशक, नाको की अध्यक्षता में ड्रग्स के इस्तेमाल और एच.आई.वी. के परिप्रेक्ष्य में कानून प्रवर्तन एजेंसियों, स्वास्थ्य और गैर–सरकारी संगठनों के बीच सहभागिता का संवर्धन करने सेन्सटाइजेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों (एल.ई.ए.), टी.आई.–एन.जी.ओ. और राज्य स्वास्थ्य विभाग के बीच सहभागिता का संवर्धन करते हुए चर्चा और अनुभव की साझेदारी करने के लिए एक मंच उपलब्ध कराया। इस कार्यशाला में कानून प्रवर्तन, टी.आई.–एन.जी.ओ. और राज्य स्वास्थ्य विभाग से 115 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इस कार्यशाला में आयुक्त (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण), मणिपुर सरकार, श्री पी.के.सिंह, पुलिस महानिदेशक, मणिपुर सरकार, श्री एल.एम. खोटे, पुलिस अपर महानिदेशक (कारागार), मणिपुर सरकार, श्री पी. डोंगेल, उप महानिरीक्षक (आर–आई), मणिपुर सरकार, श्री आई.के. मूवाह, उपनिदेशक, सी.डी.सी./भारत, श्री डेविड नेल्सन, उपनिदेशक (लक्षित हस्तक्षेप) नाको, डॉ. नीरज ढींगड़ा, कंट्री डायरेक्टर, FHI 360 एडा. बित्रा जार्ज, सहायक प्रोफेसर, मनोचिकित्सा विभाग, आर.आई.एम.एस., डॉ. गजेन्द्र सिंह और मणिपुर राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी परियोजना निदेशक, श्री हंगयो वोरशैंग ने भाग लिया।

सभा को संबोधित करते हुए, श्री कांग, सचिव एवं महानिदेशक, नाको ने विभिन्न एजेंसियों में कानून प्रवर्तन के साथ संव्यवहार करते समय मुख्य पदाधिकारियों के बीच व्याप्त असमंजस का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया कि नाको द्वारा गैर–सरकारी संगठनों और सरकारी स्वास्थ्य प्रतिष्ठानों के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही अपकार न्यूनीकरण सेवाएं विधिसम्मत, मान्यता–प्राप्त और स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ (संशोधन) अधिनियम 2014 की धारा 71 के अंतर्गत कानून द्वारा अनुमोदित हैं। उन्होंने यह विशेष उल्लेख भी किया कि राज्य (पुलिस या न्यायिक) की अभिरक्षा में आने वाले ड्रग्स इस्तेमाल करने वाले लोगों को एच.आई.वी. रोकथाम एवं उपचार सहित स्वास्थ्य सुविधा की पहुंच से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रतिनिधियों से अनुरोध किया कि जब वे इंजेक्शन द्वारा ड्रग्स लेने वाले लोगों के संपर्क में आएं तो उन्हें उपयुक्त एच.आई.वी. रोकथाम एवं उपचार सेवाओं को रेफर करें। उन्होंने यह उल्लेख भी किया कि मणिपुर में प्रत्येक दस IDUs में से एक व्यक्ति एच.आई.वी. पॉजीटिव है और राज्य में कानून प्रवर्तन, स्वास्थ्य और एच.आई.वी. पर काबू पाने के क्षेत्र में कार्यरत गैर–स. रकारी संगठनों के बीच संघटित प्रयासों और सशक्त सहभागिता की अनुशंसा की। आयुक्त (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण), मणिपुर सरकार, श्री

इस कार्यशाला में पुलिस महानिदेशक, मणिपुर सरकार, **श्री एल.एम. खोटे**, उपनिदेशक (लक्षित हस्तक्षेप), नाको, **डॉ. नीरज ढींगड़ा**, पुलिस अपर महानिदेशक (कारागार), मणिपुर सरकार, **श्री पी. डोंगेल, उपनिदेशक, सी.डी.सी./भारत, श्री डेविड नेल्सन, डॉ. सम्पत कुमार, जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ, सी.डी.सी./भारत, उप महानिरीक्षक (आर–आई), मणिपुर सरकार, श्री आई.के. मूवाह,कंट्री डायरेक्टर, FHI 360, डॉ. बित्रा जार्ज,** सहायक प्रोफेसर, मनोचिकित्सा विभाग, आर.आई.एम.एस., **डॉ. गजेन्द्र सिंह और मणिपुर राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी परियोजना निदेशक, श्री हंगयो वोरशैंग** भी उपस्थित थे।

सुश्री सोफिया कुमुकचाम,
श्री अब्राहम लिंकन,
सुश्री किम होजेल

राष्ट्रीय तकनीकी कार्यसमूह की बैठक

14 अक्टूबर 2016 को नाको में डी.डी.जी. (बी.एस.डी.), नाको की अध्यक्षता में राष्ट्रीय तकनीकी कार्यसमूह (एन.टी.डब्ल्यू.जी.) की बैठक का आयोजन किया गया। राष्ट्र स्तरीय तकनीकी कार्यसमूह में नाको, सी.टी.डी. से मुख्य अधिकारी, विश्व स्वास्थ्य संगठन, राष्ट्रीय संस्थानों और नागरिक समाज से विशेषज्ञ शामिल हैं। एन.टी.डब्ल्यू.जी. एच.आई.वी.–टी.बी. भारत में एच.आई.वी.–टी.बी. के बोझ का प्रशमन करने हेतु एन.ए.सी.पी. और आर.एन.टी.सी.पी. के बीच समन्वय को सुदृढ़ बनाने का एक महत्त्वपूर्ण मंच है।

एन.टी.डब्ल्यू.जी. भारत में एच.आई.वी.–टी.बी. के लिए राष्ट्रीय फ्रेवर्क के अनुसार एच.आई.वी.–टी.बी. सहयोगी गतिविधियों की समीक्षा करने, यथेष्ट और योजना बनाने के लिए मुख्य समन्वय तंत्र है। राष्ट्रीय तकनीकी कार्यसमूह ने पी.आई.टी.सी., सी.बी.एन.ए.ए.टी. लिकेंज, 31वीं परियोजना, सार्वजनिक निजी भागीदारी, अभिलेखन एवं प्रतिवेदन का संशोधन, आई.पी.टी.,एच.आई.वी.–टी.बी. हेतु नित्य पथ्य, आदि जैसे मुख्य निर्णय लेने में प्रमुख भूमिका निभाई है।

इन निर्णयों के आधार पर विगत में उल्लेखनीय प्रगति की गई है, विशेषकर टी.बी. के मरीजों के लिए जांच की व्याप्ति बढ़ाने, प्रशिक्षण नियमावलियां और दिशानिर्देश तैयार करने, राज्य और जिला स्तरों पर समन्वय का सुदृढ़ीकरण करने, एच.आई.वी. के साथ जिंदगी बिताने वाले लोगों के लिए रैपिड डायग्नो. स्टिक्स के इस्तेमाल, रोजाना ए.टी.टी. आदि।

बैठक के उद्देश्य:

2015–16 के दौरान आरंभ की गई एच.आई.वी.–टी.बी. सहयोगी गतिविधियों की प्रक्रिया की समीक्षा करना।	अपेक्षाकृत नई पहलों के लिए कार्यनीतियां और आगे की योजना तैयार करना– आई.पी.टी., आई.सी.टी.सी.–सी.बी.एन.ए.ए.टी. लिंकेज, नित्य पथ्य एच.आई.वी.–टी.बी., डी.एम.सी. में एच.आई.वी. जांच	प्रगति समीक्षा के बाद चिन्हित उच्च प्राथमिकता जिले कार्य योजना हेतु सिफारिशें

संशोधित एच.आई.वी. परामर्श एवं परीक्षण सेवा (एच.सी.टी.एस.) दिशानिर्देशों के संबंध में क्षेत्रीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टी.ओ.टी.)

राष्ट्रीय एच.आई.वी. परामर्श एवं सेवाएं (एच.सी.टी.एस.) दिशानिर्देशों 2016 को बेसिक सेवा डिवीजन (बी.एस.डी.), नाको द्वारा अद्यतन किया गया है, और माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया है। 29 जुलाई 2016 को यूनीसेफ और दिल्ली एस.ए.सी.एस. की सहायता से होटल प्रीमियर इन, नई दिल्ली में संशोधित एच.सी.टी.एस. दिशानिर्देशों 2016 के संबंध में प्रथम क्षेत्रीय टी.ओ.टी. का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। प्रथम टी.ओ.टी. में पांच बैच शामिल थे (प्रत्येक बैच के लिए एक दिन का प्रशिक्षण), प्रत्येक बैच में पूर्वोत्तर राज्यों (चंडीगढ़, दिल्ली, जम्मू और कश्मीर, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड) से लगभग 50 प्रतिनिधि शामिल थे।

प्रशिक्षण मुख्य उद्देश्य संशोधित एच.सी.टी.एस. दिशानिर्देश 2016 के संबंध में मास्टर प्रशिक्षकों के एक पूल का सृजन करना था। उपर्युक्त राज्यों के आई.सी.टी.सी. सलाहकार और जिला आई.सी.टी.सी. पर्यवेक्षकों को उनके संबंधित राज्य/जिला स्तर में निम्न स्तर प्रशिक्षण में एच.सी.टी.एस. संशोधित दिशानिर्देश 2016 का मास्टर प्रशिक्षक माना जाएगा।

डॉ. पी. सुजीत, नाको

रोजाना ए.टी.टी. और 3IS के संबंध में ए.आर.टी. केन्द्रों का राष्ट्र स्तरीय प्रशिक्षण

नाको और सी.टी.डी. ने ए.आर.टी. केन्द्रों में एच.आई.वी.–टी.बी. सह–संक्रमण के उपचारार्थ सिंगल विंडो सेवाएं उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है ताकि एच.आई.वी.–टी.बी. देखभाल तक पहुंच में सुधार लाया जा सके और एच.आई.वी. के साथ जिंदगी जी रहे लोगों के लिए निर्बाध सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें। उसके अलावा, टी.बी. संचारण का जोखिम न्यूनीकृत करने के लिए, नाको ने ए.आर.टी. केन्द्रों में टी.बी. संक्रमण नियंत्रण पद्धतियों का सुदृढ़ीकरण करने के उपाय आरंभ किए गए हैं। इन उपायों में टी.बी. के लिए इंटेन्सीफाइड केस फाइंडिंग (आई.सी.एफ.), एच.आई.वी. के साथ जी रहे सभी लोगों के लिए आइसो. नियाजिड प्रीवेंटिव थैरेपी (आई.पी.टी.) और सुदृढ़ एयरबोर्न इंफेक्शन कंट्रोल (ए.आई.सी.) शामिल हैं ताकि शीघ्र संसूचन सुनिश्चित और टी.बी. संचारण का जोखिम न्यूनीकृत किया जा सके।

इस संबंध में, यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी ए.आर.टी. केन्द्र नए दिशानिर्देशों के कार्यात्मक पहलुओं से परिचित हैं। पूरे देश से ए.आर.टी. केन्द्रों के कर्मचारियों के लिए, रोजाना ए.टी.टी. और 3IS के संबंध में ए.आर.टी. केन्द्रों का राष्ट्र स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया था। 3 दिन के इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का लक्ष्य ए.आर.टी. केन्द्रों के कर्मचारियों को ज्ञान और कौशल से सुसज्जित करना था जो एच.आई.वी. के साथ जी रहे लोगों को एच.आई.वी.–टी.बी. सेवाएं निर्बाध एवं कारगर ढंग से उपलब्ध कराने और एच.आई.वी. देखभाल परिवेश में टी.बी. संचारण के जोखिम का न्यूनीकरण करने के लिए आवश्यक हैं। प्रशिक्षण के लिए कार्यनीति विधि एच.आई.वी.–टी.बी. हेतु राष्ट्रीय तकनीकी कार्य समूह (एन.टी.डब्ल्यू.जी.) द्वारा परिभाषित की गई थी जिसमें नाको और सी.टी.डी. का वरिष्ठ नेतृत्व–वर्ग शामिल है।

इस राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत, 510 ए.आर.टी. केन्द्रों से कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए जुलाई से सितंबर 2016 तक कुल 21 बैचों का आयोजन किया गया था। इस प्रशिक्षण में कुल 956 ए.आर.टी. कर्मचारियों ने भाग लिया – जिनमें 429 केन्द्रक अधिकारी/वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी और 527 स्टाफ नर्स/सलाहकार शामिल थे।

बैच 3	**हैदराबाद**
तिथिः 14–16 जुलाई, 2016 **स्थानः** ब्वम्ए गांधी मेडिकल कालेज एंड अस्पताल, हैदराबाद **प्रतिनिधित्व पाने वाले राज्यः** तेलांगना राज्य और आंध्र प्रदेश का रयालासीमा जिला **सम्मिलित ए.आर.टी. केन्द्रः** 30 **प्रशिक्षित ए.आर.टी. कर्मचारीः** 57 (केन्द्रक अधिकारी/वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारीः 36; स्टाफ नर्स/सलाहकारः 31)	

इस प्रशिक्षण ने संशोधित दिशानिर्देशों के अनुसरण में 4S स्क्रीनिंग, डी.एम.सी./सी.बी.एन.ए.ए.टी. में टी.बी. संक्रमण का रेफरल और जांच, आई.पी.टी. प्रारंभन, रोजाना ए.टी.टी. के प्रावधान, ए.आई.सी. रीतियों, और अभिलेखन एवं प्रतिवेदन टूल्स के इस्तेमाल का सही क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए ए.आर.टी. केन्द्र के कर्मचारियों का मार्गदर्शन किया और प्रत्यक्ष अनुभव मुहैया कराया। प्रशिक्षण का आयोजन नाको द्वारा सी.टी.डी. की सहायता से किया गया था। सी.डी.सी.–डिवीजन ऑफ ग्लोबल हेल्थ (सी.डी.सी.–डी.जी.एच.टी.), शेयर इंडिया, और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने प्रशिक्षण के क्रियान्वयन में सहायता उपलब्ध कराई थी।

डा. सुमन, नाको

राष्ट्रव्यापी प्रशिक्षण कार्यक्रम

ToT - Delhi
15–17 June 2016
Representation:
NACO CST division officials, CTD officials, Regional Coordinators, Project Directors, Deputy Progrm Directors from CoEs, CDC team, SHARE India staff
Number of participants: **35**

Chandigarh
23–25 August 2016
State Covered: **Jammu & Kashmir, Himachal Pradesh, Punjab, Haryana, Chandigarh**

Delhi
21–23 July 2016
State Covered: **Delhi, Uttar Pradesh, Uttarakhand**

Jaipur
29–31 August 2016
State Covered: **Rajasthan**

Ahmedabad
26–28 July 2016
State Covered: **Gujarat**

Nasik
18–20 July 2016
State Covered: **Maharashtra**

Mumbai
11–13 July 2016
State Covered: **Maharashtra, Gujarat, Goa**

Pune
28–30 June 2016
State Covered: **Maharashtra**

Belgaum
02–04 August 2016
State Covered: **Karnataka**

Bengaluru
29–31 August 2016, 7–9 Sept '16
State Covered: **Karnataka, Kerala**

Luchnow
09–11 August 2016
State Covered: **Uttar Pradesh**

Bhopal
07–09 Sept 2016
State Covered: **Madhya Pradesh**

Patna
04–06 August 2016
State Covered: **Bihar, Jharkhand**

Guwahati
18–20 July 2016
State Covered: **Assam, Arunachal Pradesh, Sikkim, Meghalaya, Nagaland, Mizoram, Tripura, Manipur**

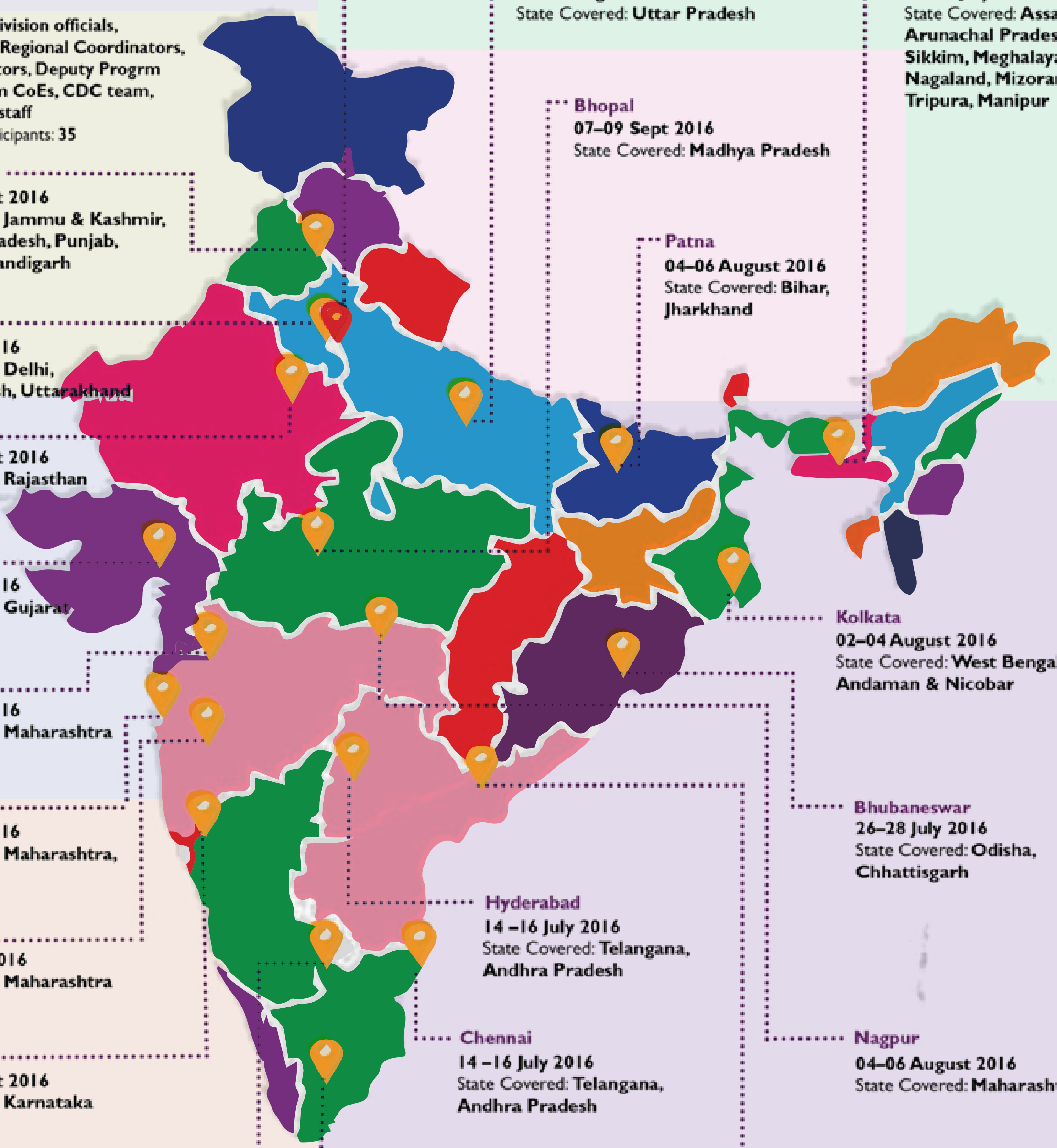

Kolkata
02–04 August 2016
State Covered: **West Bengal, Andaman & Nicobar**

Bhubaneswar
26–28 July 2016
State Covered: **Odisha, Chhattisgarh**

Hyderabad
14 –16 July 2016
State Covered: **Telangana, Andhra Pradesh**

Chennai
14 –16 July 2016
State Covered: **Telangana, Andhra Pradesh**

Nagpur
04–06 August 2016
State Covered: **Maharashtra**

Madurai
21–23 July 2016
State Covered: **Tamil Nadu**

Vijayawada
20–22 July 2016
State Covered: **Andhra Pradesh**

एच.आई.वी. निगरानी एवं परिमापन के संबंध में विशेषज्ञ समूह परामर्श

भारत का एक सबसे विशाल, सबसे सुदृढ़ और सामंजस्यपूर्ण एच.आई.वी. निगरानी तंत्र है जो लगभग 90% जिलों को सम्मिलित करता है। इसके अनेक पहलू हैं लेकिन मुख्यतः एच.आई.वी. प्रहरी निगरानी (एच.एस.एस.), स्वभावजन्य निगरानी तंत्र (बी.एस.एस.), एकीकृत जैविक एवं स्वभावजन्य निगरानी तंत्र (आई.बी.बी.एस.) और एच.आई.वी. परिमापन शामिल हैं, और स्वतंत्र बाह्य विशेषज्ञों द्वारा एक पूर्णतया कार्यशील निगरानी तंत्र माना गया है। इस तंत्र ने देश में एच.आई.वी. के स्थानिक रोग की व्याख्या करने में प्रमुख भूमिका निभाई है। इसने देश में बहुल, विविध उप–स्थानिक रोगों का वर्णन करने में सहायता की है; जो विभिन्न आबादियों में विभिन्न दरों से फैल रहे हैं। इस तंत्र ने विभिन्न राज्यों में स्थानिक रोग के विभिन्न चरणों की पहचान करने में भी सहायता की है; यद्यपि तत्कालीन उच्च व्याप्ति वाले दक्षिणी राज्यों में व्याप्ति घट रही है तथापि निगरानी तंत्र के अंतर्गत तत्कालीन पूर्वोत्तर राज्यों में उच्च स्तर पर स्थिर स्थानिक रोग और पूर्वोत्तर राज्यों में बढ़ रहे स्थानिक रोग का अच्छे से वर्णन किया गया है।

एच.आई.वी. निगरानी एवं परिमापन के संबंध में विशेषज्ञ समूह परामर्श बैठक का एक सामूहिक फोटो

बहराहल, किसी अन्य तंत्र की भांति, भारत का एच.आई.वी. निगरानी तंत्र परिवर्तनशील स्थानिक रोग के पैटर्नों और परियोजना दृष्टिकोणों को देखते हुए सुधार की गुंजाइश रखता है। इस प्रकार, परियोजनाबद्ध प्रत्युत्तरों का अतिरिक्त सुदृढ़ीकरण करने के लिए स्थानिक रोग निगरानी में सुधार लाने हेतु एच.आई.वी. निगरानी तंत्र कार्यसूची की एक रूपरेखा पर पहुंचने के लिए 27–29 सितंबर 2016 को नई दिल्ली में एच.आई.वी. निगरानी एवं परिमापन संबंधी परामर्श का आयोजन किया गया था। इस परामर्श में यू.एन.एड्स, विश्व स्वास्थ्य संगठन और सी.डी.सी. ने सहायता प्रदान की थी। परामर्श में राष्ट्रीय विशेषज्ञों, जैसे एम्स, एन.आई.एम.एस., एन.ए.आर.आई., एन.आई.ई., सी.डी.सी., विश्व स्वास्थ्य संगठन, यू.एन.एड्स आदि। वियतनाम, फिलीपीन्स और चीन से देश प्रतिनिधियों ने भी इस बैठक में भाग लिया था। ईस्ट वेस्ट सेन्टर, विश्व स्वास्थ्य संगठन जेनवा, सी.डी.सी. यू.एस.ए., पी.ई.एम.ए., जी.एफ.ए.टी.एम. से अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ भी इस बैठक में उपस्थित हुए थे।

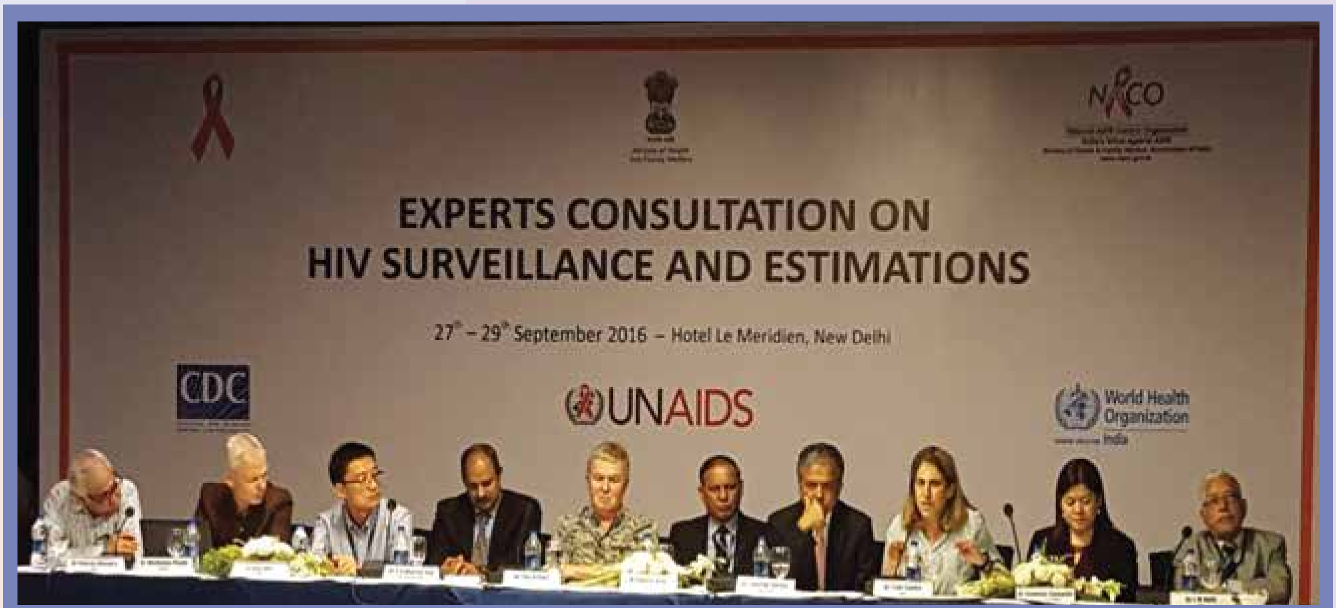

एच.आई.वी. निगरानी एवं परिमापन संबंधी विशेष समूह परामर्श की बैठक के दौरान मंच पर उच्च पदाधिकारी

तीसरे दिन की परामर्श बैठक के लिए समापन टिप्पणियां डॉ. सी.वी. धर्मा राव, संयुक्त सचिव, नाको, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने दीं। डॉ. राव ने उल्लेख किया कि यह बैठक भारत में एच.आई.वी. निगरानी एवं परिमापन तंत्र के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक मील–पत्थर है। उन्होंने उल्लेख किया कि चर्चा की गुणवत्ता उत्कृष्ट थी और सिफारिशें काफी व्यावहारिक थीं।

डा. भावना संगल, नाको

गोवा

ट्रांसजेंडर्स के साथ राज्य स्तरीय परामर्श

गोवा राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने कार्यनीति के तौर पर ट्रांसजेंडर के साथ प्रथम राज्य स्तरीय परामर्श का आयोजन किया। अभीना अहेर, नेशनल प्रोग्राम मैनेजर, एच.आई.वी./एड्स एलायंस ऑन सैक्चुअल माइनोरिटी प्रोग्राम –चेयर ऑफ एशिया पैसीफिक रीजन और डान्सिंग क्वीन्स नामक भारत के सर्वप्रथम ट्रांसजेंडर नृत्य समूह की संस्थापक सदस्या को समुदाय का प्रतिनिधित्व करने हेतु आमंत्रित किया गया था। उद्घाटन में गोवा एस.ए.सी.एस. के परियोजना निदेशक, डॉ. जोस डिसूजा के साथ श्री सुधीर महाजन, आई.ए.एस., सचिव (स्वास्थ्य), श्री एस. सी. चंडक, पंजीयक उच्च न्यायालय–सदस्य सचिव गोवा विधायी सेवाएं प्राधिकरण और डॉ. संजीव डलवी, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं उपस्थित थे।

अमीना अहेर, नेशनल प्रोग्राम मैनेजर एच.आई.वी. एड्स समारोह को संबोधित कर रही हैं

उद्घाटन में भाषण देते हुए, स्वास्थ्य सचिव श्री सुधीर महाजन ने लोगों से ट्रांसजेंडर के साथ भेदभाव नहीं करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ट्रांसजेंडर की समस्याओं का विशेष उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि वे गलत धारणाओं के शिकार हैं।

श्री एस.सी. चंडक, सदस्य सचिव, जी.एस.एल.एस.ए. ने भी ट्रांसजेंडर के चारों ओर मौजूद भ्रांतियों एवं गलत धारणाओं को तोड़ने और समाज में उनका सम्मान करने की आवश्यकता के बारे में चर्चा की। उन्होंने ट्रांसजेंडर व्यक्ति अधिकार विधेयक के बारे में चर्चा की। अभीना अहेर ने बोलते समय उल्लेख किया कि वहां गोवा में जो ट्रांसजेंडर हैं वो गोवावासी हैं। एक ट्रांसजेंडर होने का कलंक सभी ट्रांसजेंडरों को झेलना पड़ता है भले वे शिक्षित और रोजगार करने वाले हों। परियोजना निदेशक, गोवा एस.ए.सी.एस., डॉ. जोस डिसूना ने आभार भाषण देते हुए समुदाय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया और उन सभी का धन्यवाद किया जिन्होंने प्रत्युत्तर दिया और परामर्श का भाग हैं।

उद्घाटन सत्र के बाद, "गोवा में ट्रांसजेंडर का परिदृश्य और आगे का मार्ग" पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। पैनल में सुश्री अभीना अहेर – नेशनल प्रोग्राम मैनेजर एच.आई.वी. / एड्स एलायंस, **डॉ. दुर्गा प्रसाद, संयुक्त निदेशक,** योजना एवं सांख्यिकी विभाग, **डॉ. राजेश धुमे, वरिष्ठ मनोचिकित्सक,** नार्थ डिस्ट्रिक्ट अस्पताल, मापूसा – समाज कल्याण निदेशालय, **श्री सुदेश गावडे, सहायक निदेशक**, सामाजिक कल्याण विभाग, अधिवक्ता रियान मेनेजीस, अधिवक्ता उच्च न्यायालय, **श्री प्रकाश कामत,** वरिष्ठ संपादक राष्ट्रीय समाचारपत्र "हिंदू", **डॉ. रोज डिसूजा,** परियोजन निदेशक, जी.एस.ए.सी.एस., **श्री रमेश राठौड़,** सहायक निदेशक, लक्षित हस्तक्षेप – जी.एस.ए.सी.एस. शामिल थे, **सुश्री हिमांगी महाप्रोलकर**– नैदानिक मनोचिकित्सक, पहचान और दिवा के लिए डायरेक्टर फॉर कैपीसिटी बिल्डिंग ने चर्चा की सभापित थीं।

वह प्रमुख कार्यवाही बिंदु जो चर्चा से उत्पन्न हुए:

योजना और सांख्यिकी विभाग द्वारा गोवा में ट्रांसजेंडर के सर्वेक्षण हेतु प्रश्नावली को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में ट्रांसजेंडरों की भागीदारी। समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रश्नावली तैयार की जाएगी। सर्वेक्षण को अंतिम रूप दिया जा रहा है और 3 माह की अवधि में किए जाने का कार्यक्रम है।

सर्वेक्षण के आधार पर, जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तर पर एक समिति का गठन किया जाएगा। समिति में एक सामाजिक कार्यकर्ता, मनोचिकित्सक आदि के अलावा ट्रांसजेंडर समुदाय के दो सदस्य शामिल होंगे।

ट्रांसजेंडरों को वर्तमान कल्याण योजनाओं में सम्मिलित किया जाएगा या उनके लिए शिक्षा, रोजगार आदि की विशेष योजनाएं बनाई जाएंगी। सर्वेक्षण के निष्कर्ष जारी किए जाने के बाद इस समूची प्रक्रिया को प्रारंभ किया जाएगा।

कलंक या पुलिस द्वारा अत्याचार की समस्याओं का विशेष उल्लेख करने में मीडिया भी सहायता करेगा, आदि।

संकट की स्थिति में एक त्वरित प्रत्युत्तर के रूप में लक्षित हस्तक्षेप के साथ एस.ए.सी.एस. में टी.आई. डिवीजन के अंतर्गत एक संकट प्रबंधन समिति का गठन किया जाएगा।

सुश्री सुनीता अरुद्रा, गोवा एस.ए.सी.एस

बिहार

एन.के.वाई.एस. के सहयोग से स्कूल से बाहर युवा हस्तक्षेप

बिहार राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी (बी.एस.ए.सी.एस.) ने एच.आई.वी./एड्स की रोकथाम करने के लिए नेहरु युवा केन्द्र संगठन (एन.के.वाई.एस.) युवा क्लब के माध्यम से ग्रामीण युवा कार्यक्रम का आयोजन किया। एन.के.वाई.एस. के 6 लाख युवा क्लब सदस्य हैं जो अधिक से अधिक ग्रामीण युवाओं को एच.आई.वी. और एच.आई.वी. जांच के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है।

श्री आलोक कुमार सिंह, बिहार एस.ए.सी.एस.

पुडुचेरी

कालेज में रेड रिबन क्लब के सदस्यों द्वारा प्रहसन

एड्स के संबंध में प्रतिभागियों ने प्रहसन प्रस्तुत किया

हाल ही में, पुडुचेरी एड्स नियंत्रण सोसायटी ने एच.आई.वी./एड्स और स्वैच्छिक रक्तदान के बारे में जागरुता फैलाने के लिए युवाओं से संपर्क साधा। अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के साथ एक ही समय में घटित होने वाले गांधी थिडाल में एक कार्यक्रम में कालेज के विद्यार्थियों और एड्स नियंत्रण सोसायटी के कर्मचारियों में मोटरसाइकल रैली, मूकाभिनय और प्रहसन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। रेड रिबन कालेज के 24 सदस्यों ने प्रहसन और मूकाभिनय प्रतियोगिताओं में भाग लिया। माननीय मुख्य मंत्री ने एच.आई.वी. स्थानिक रोग पर काबू पाने और जोखिमों के बारे में जागरुकता फैलाने एवं स्वैच्छिक रक्तदानों को लोकप्रिय बनाने के लिए पुडुचेरी एड्स नियंत्रण सोसायटी के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि संघशासित क्षेत्र में एच.आई.वी. पीड़ित लोगों को जल्दी ही वित्तीय सहायता मिलेगी। श्री काली मुत्थु, मिशन डायरेक्टर, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, और स्वास्थ्य अधिकारियों की मौजूदगी में युवाओं को एक शपथ ग्रहण करवाई गई। विभिन्न कालेजों से लगभग 300 विद्यार्थियों ने इन गतिविधियों में भाग लिया। 2015–2016 के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले रेड रिबन क्लब के पुरस्कार कस्तूरबा गांधी नर्सिंग कालेज, पिलैयारकुप्पम, पुडुचेरी, महात्मा गांधी सरकारी कला कालेज, माहे और पांडिचेरी इंजीनियरिंग कालेज, पुडुचेरी को मिला। विजेता बाद में प्रहसन का प्रदर्शन और मूकाभिनय मनोरंजन करने के लिए मंच पर वापस आए।

हिंदू, पुडुचेरी

गतिविधियाँ

विश्व हैपेटाइटिस दिवस मनाया गया

हैपेटाइटिस के बारे में वैश्विक जागरुकता पैदा करने और रोकथाम, निदान एवं उपचार को प्रोत्साहन देने के लिए 28 जुलाई को विश्व हैपेटाइटिस दिवस मनाया जाता है।

नागालैंड में, कोहिमा और 7 अन्य जिलों, नामत् किफिरे, मोन, वोखा, मोकोचुंग, तुएनसैंग, जून्हें बोटो जिले में सताखा और फेक जिले में फटसे. रो में यह दिवस मनाया गया था। इस कार्यक्रम का आयोजन हैपेटाइटिस कोलिशन ऑफ नागालैंड (HepCoN), नागालैंड यूज़र्स नेटवर्क और कृपा फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था, और नागालैंड राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी और एनएनपी+ द्वारा सहायता एवं प्रायोजन किया गया था। कार्यक्रम का उद्देश्य विषाणजनित यकृत् शोथ संक्रमण के बारे में जागरुकता पैदा करना था।

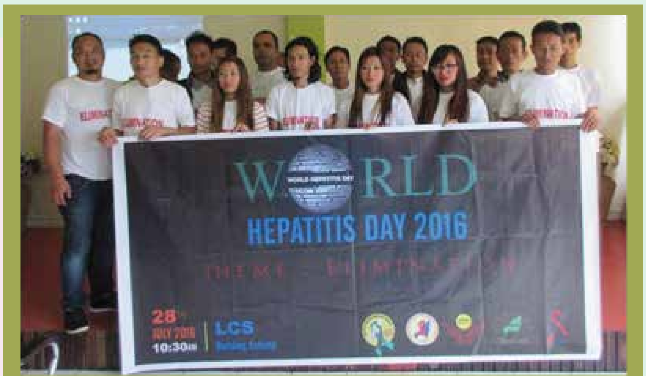

विश्व यकृत् शोथ दिवस, 2016 का बैनर थामे हुए प्रतिभागी

नागलैंड एस.ए.सी.एस.

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2016

12 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। पूरे विश्व में युवाओं के जोश का उत्सव मनाने के अवसर के रूप में यह दिवस मनाया जाता है। भारत में युवाओं को, जो कुल जनसंख्या का पांचवां हिस्सा हैं, वैश्विक समाज को आकार प्रदान करने में एक संभाव्य समूह के रूप में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभानी है। इसके महत्त्व को समझते हुए, नाको हर वर्ष कालेजों में रेड रिबन क्लबों को शामिल करते हुए राज्य एड्स नियंत्रण सोसयटियों (एस.ए.सी.एस.) के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाता है। उसी आलोक में, इस वर्ष, नाको ने पूरे भारत में अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया। विभिन्न राज्यों में अलग–अलग तारीखों पर अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2016 मनाया गया जो अगस्त में आरंभ होकर सितंबर 2016 के माह तक चला। नाको के युवा कार्यक्रम के अंतर्गत रेड रिबन क्लब अभिनव विधियों के साथ इस दिवस का पालन करने एवं मनाने के लिए सक्रियतापूर्वक भाग लेने हेतु आगे आए और विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया, जैसे अंतर–कालेज खुली चर्चा, रेड ह्यूमन मानव चैन, प्रहसन और नुक्कड़ नाटक, एच.आई.वी./एड्स के बारे में मोटरबाइक पर जागरुकता रैली, सामग्री को रिसाइकल करके फैशन शो और युवाओं एवं एच.आई.वी./एड्स के लिए जागरुकता संदेश, रक्तदान शिविर, रेखाचित्र और चित्रकला प्रतियोगिता, फुटबाल टूर्नामेंट, हवाई गुब्बारों पर जागरुकता संदेशों के साथ युवा पदयात्रा और अनेक अन्य गतिविधियां।

सुश्री पल्लवी, नाको

नाको की आई.टी प्रणालियाँ

नाको के सूचना प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग

नाको द्वारा क्रियान्वित प्रमुख आई.टी अनुप्रयोगों में एस.आई.एम.एस. (कार्यनीति सूचना प्रबंधन प्रणाली), पी.ए.एल.एस. (पी.एल.–एच.आई.वी.ए.आर.टी.लिंकेज प्रणाल.ी), आई.एम.एस. (वस्तुसूची प्रबंधन प्रणाली), एम.एस.डी.एस. (प्रवासी सेवा प्रदायगी प्रणाली) शामिल हैं। अनुप्रयोग में लोगों का पता लगाने के लिए देश में बड़े पैमाने पर आंकड़ों एवं अभिलेखों का डिजिटलीकरण और प्रोग्राम में पारदर्शिता को लाना शामिल है। आंकड़ों का संग्रहण एवं संकलन करने के लिए राष्ट्रीय/राज्य/जिला/प्रइिष्ठान सहित सभी स्तरों पर इन्हें संसाधित किया जा रहा है।

1 कार्यनीति सूचना प्रबंधन प्रणाली (एस.आई.एम.एस.)

एस.आई.एम.एस. विभिन्न संघटकों के सकल एम.आई.एस. आंकड़ों/सूचना को प्राप्त करने के लिए नाको को वेब–आधारित अनुप्रयोग है। प्रतिष्ठान स्तर पर 30,000 से अधिक रिपोर्टिंग यूनिटों द्वारा आंकडों की प्रविष्टि की जाती है जिसका सत्यापन, विश्लेषण किया जाता है और रियल टाइम आधार पर रिपोर्ट जेनरेट की जाती हैं।

2 वस्तुसूची प्रबंधन प्रणाली (आई.एम.एस.)

आई.एम.एस. नाको का एक आई.टी अनुप्रयोग है जो रियल टाइम आधार पर नाको की आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन तंत्र का सुदृढ़ीकरण करने हेतु विकसित किया गया है। आई.एम.एस. को सफलतापूर्वक नाको क्लाउड –MeghrajofGoI पर माइग्रेट किया जा चुका है। नाको/एस.ए.सी.एस./ए.आर.टी. केन्द्र स्तर पर औषधियों एवं त्याज्य सामग्रियों के क्रय से संबंधित आंकड़ों को आई.एम.एस. में लिया जाता है।

3 पी.एल.एच.आई.वी. ए.आर.टी. लिंकेज प्रणाली (पी.ए.एल.एस.)

पी.ए.एल.एस. एक वेब–आधारित अनुप्रयोग है जिसका इरादा आई.सी.टी.सी. केन्द्रों से एच.आई.वी.+ महिलाओं का ब्यौरा प्राप्त करना और 2 वर्ष की अवधि के लिए माँ एवं बच्चे की प्रगति पर नजर रखना है। सॉफ्टवेयर और डाटा कैप्चरिंग की प्रगति के बाद, सॉफ्टवेयर की परिधि बढ़ाई गई थी और अब एच.आई.वी.+ सामान्य क्लायंटों को भी इसके माध्यम से कैप्चर किया जा रहा है।

4 प्रवासी सेवा प्रदायगी प्रणाली (एम.एस.डी.एस.)

एम.एस.डी.एस. एक वेब एप्लीकेशन है जो माइग्रेंट डेस्टीनेशन टी.आई. एन.जी.ओ. में टी.आई. प्रवासी आबादी के बारे में स्रोत और गंतव्य के आंकड़ों को कैप्चर करता है।

5 नाको की वेबसाइट

सितंबर 2016 में अभिनव रूपरेखा और परियोजना के बारे में अद्यतन सूचना के साथ एक नई वेबसाइट का लोकार्पण किया था। यह वेबसाइट जी.आई.जी.डब्ल्यू (भारत सरकार वेबसाइट दिशानिर्देश) का अनुपालन करती है और दर्शकों के लिए सूचना की पहुंच का संवर्धन करने के लिए दिशानिर्देशों, सेवा प्रतिष्ठानों, निविदाओं, प्रापण, प्रकाशनों, समारोहों, आदि सहित एच.आई.वी./एड्स की सभी संभाव्यताओं को सम्मिलित करती है।

श्री प्रवीण प्रकाश गुप्ता और सुश्री पीयूषी कोठीवाल, नाको

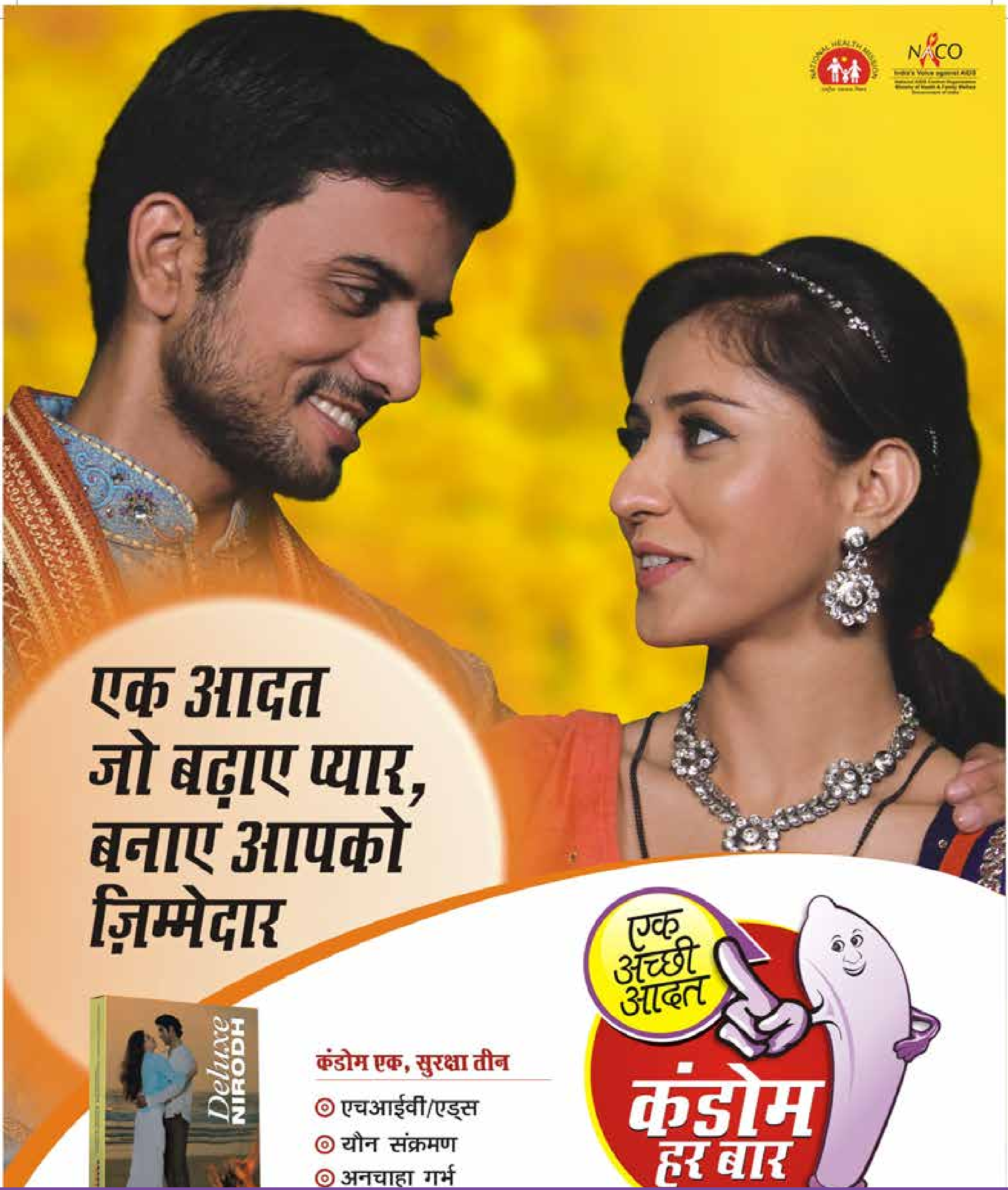

मुख्य संपादकः श्री एन० एस० कांग, सचिव एवं महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
संपादकः डॉ० सी.वी. धर्म राव, संयुक्त सचिव,
संपादक मंडलः डॉ० नीरज ढींगरा, डी.डी.जी. (टी.आई. एवं एम. एंड ई.), डॉ० नरेश गोयल, डी.डी.जी. (एल.एस. एवं आई.ई.सी.), डॉ० आर.एस.गुप्ता, डी.डी.जी.(सी.एस.टी. एवं बी.टी.एस.), डॉ० के.एस. सचदेव, डी.डी.जी.(बी.एस.डी., एस.टी.आई. एवं अनुसंधान), डॉ० शोबिनी राजन ए.डी.जी. (एस.टी.आई. एवं रक्त सुरक्षा), डॉ० राजेश राणा, राष्ट्रीय सलाहकार (आई.ई.सी. एवं मुख्यधारा करण), सुश्री नेहा पाण्डेय (सलाहकार, आई.ई.सी. एवं मुख्यधारा करण)

नाको समाचार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक न्यूज लैटर है।
9वाँ तल, चंद्रलोक बिल्डिंग, 36 जनपथ, नई दिल्ली–110001: दूरभाषः 011–23325343, फैक्सः 011–23731746,www.naco.gov.in
एडिटिंग डिजाइन एवं प्रोडक्शनः दि विजुयल हाउस, ईमेलः tvh@thevisualhouse.in